



मई, 2025

CUET (UG)

समसामयिक घटनाएँ और सामान्य ज्ञान

CUET (UG) जनरल टेस्ट हेतु



For More Information Visit www.drishticuet.com or Contact on 8010-699-000

In the journey towards achieving a distinguished career, choosing the right guide is as crucial as the aspirant's dedication and hard work. Drishti, with its pioneering CUET (UG) program, stands as a beacon of excellence for young aspirants.

Admissions Open in English & Hindi Medium for CUET (UG) Foundation and Crash Courses

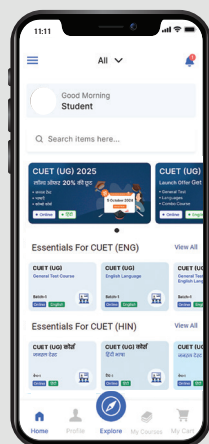
CUET (UG) Foundation & Crash Courses in English Medium

- CUET (UG) General Aptitude Test
- CUET (UG) English Language
- CUET (UG) History Domain
- CUET (UG) Political Science Domain
- CUET (UG) Geography Domain
- CUET (UG) Psychology Domain
- CUET (UG) Economics Domain
- CUET (UG) Mathematics Domain
- CUET (UG) Business Studies Domain
- CUET (UG) Accountancy Domain
- CUET (UG) Chemistry Domain
- CUET (UG) Physics Domain
- CUET (UG) Biology Domain
- CUET (UG) Combo (General Aptitude Test + English Language)

CUET (UG) फाउंडेशन और क्रेश कोर्सेस हिंदी माध्यम में

- CUET (UG) जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट
- CUET (UG) हिंदी भाषा
- CUET (UG) इतिहास डोमेन
- CUET (UG) राजनीति विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) भूगोल डोमेन
- CUET (UG) अर्थशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) समाजशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) भौतिक विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) रसायन विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) जीव विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) Combo (जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट + हिंदी भाषा)

Key Features of Drishti CUET (UG) Courses



Drishti Learning App

Get that 'Online Edge' in your preparation for **CUET (UG)**, all from the convenience of your home.



Website



YouTube



PYQ's as Quizzes



Scan me for English Courses



Scan me for Hindi Courses

For more information please contact on **87501-87501**

विवरणिका

1. संवैधानिक/प्रशासनिक घटनाक्रम	1-5
■ अनुच्छेद 21	1
■ गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए)	1
■ POCsO अधिनियम और CAL(P&R) अधिनियम पर राष्ट्रीय परामर्श	2
■ ई-जीरो एफआईआर	3
■ नया ओसीआई पोर्टल	3
■ राज्यपाल	3
■ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002	4
■ भारत निर्वाचन आयोग	5
2. भूगोल	6-9
■ विज्ञान बंदरगाह	6
■ फसल का मौसम	6
■ भारत के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ	7
■ दक्षिण-पश्चिम मानसून	8
■ तुलारे झील	8
■ बिग बैंग थ्योरी	9
3. पर्यावरण और पारिस्थितिकी	10-13
■ सौर ऊर्जा	10
■ उत्तर भारत में पराली जलाना	10
■ सौर अनुसंधान के 125 वर्ष	11
■ ऑपरेशन ओलिविया	11
■ शिरुई लिली महोत्सव	12
■ हिम तेंदुआ	12
■ मिशन लाइफ	13
4. भारतीय अर्थव्यवस्था	14-16
■ उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी)	14
■ राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक 2025	14

विवरणिका

■ खुदरा मुद्रास्फीति	15
■ थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति	15
■ अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)	16

5. सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 17-24

■ ब्लैक होल बम	17
■ माइक्रोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए)	17
■ कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना	17
■ रेबीज़	18
■ निपाह वायरस	18
■ ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण केंद्र	19
■ क्लाउड सीडिंग	19
■ टीबी मुक्त भारत	20
■ भारत का पहला गैर-इनवेसिव रक्त परीक्षण उपकरण	20
■ भार्गवस्त्र काउंटर स्वार्म ड्रोन	20
■ बायोलम्पिक्वैक्सिन	21
■ लासा बुखार का प्रकोप	21
■ हैजा का टीका	21
■ पीएसएलवी रॉकेट	22
■ आईएनएसवी कौडिन्य	22
■ एक्सिओम 4 मिशन	23
■ कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना	24

6. इतिहास 25-28

■ रम्माण महोत्सव	25
■ महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध	25
■ बुद्ध धर्म	26
■ आंध्र प्रदेश की लोक कलाएँ	27

विवरणिका

7. विश्व मामले	29-31
■ विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES) - 2025	29
■ स्टॉकहोम कन्वेंशन	29
■ भारत-पाकिस्तान संघर्ष	29
■ विश्व स्वास्थ्य सभा का 78वां सत्र	30
■ क्यूबा मिसाइल क्रेसीस	30
■ ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक 2025	31
8. संक्षिप्त समाचार	32-38
9. विविध	39-58
■ एक देश एक धड़कन	39
■ अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस	39
■ विश्व मधुमक्खी दिवस 2025	39
■ अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025	40
■ विश्व कछुआ दिवस	40
■ खेलो इंडिया यूथ गेम्स	41
■ तीरंदाजी विश्व कप 2025	41
■ दोहा हायमंड लीग 2025	41
■ सुपरबेट शतरंज क्लासिक	42
■ सैफ अंडर-19	42
■ मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआई) 2025	56
■ सोमालिया	57
■ मिजोरम ने पूर्ण कार्यात्मक साक्षरता हासिल की	57
■ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)	58
■ भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI)	58
10. अभ्यास प्रश्न	59-60

अनुच्छेद 21



चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने *अमर जैन बनाम भारत संघ और अन्य* में अपने फैसले में ई-गवर्नेंस और कल्याण वितरण प्रणालियों तक समावेशी और सार्थक डिजिटल पहुंच को अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है।

निर्णय की मुख्य बातें:

- **केवाईसी मानदंडों में संशोधन:** सर्वोच्च न्यायालय ने डिजिटल 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) मानदंडों में संशोधन का निर्देश दिया है, ताकि विकलांग लोगों, जिनमें चेहरे की विकृति (जैसे एसिड हमलों के पीड़ित) या दृष्टिबाधित लोग भी शामिल हैं, को बैंकिंग और ई-गवर्नेंस सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सके।
- **मौलिक समानता का सिद्धांत:** निर्णय में इस बात पर जोर दिया गया है कि डिजिटल परिवर्तन समावेशी और न्यायसंगत होना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समाज के सभी वर्ग डिजिटल सेवाओं से समान रूप से लाभान्वित हों।
- **अनुच्छेद 21 का भाग:** डिजिटल पहुंच को अब जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का मुख्य भाग माना जाता है, जिससे सभी नागरिकों, विशेष रूप से कमजोर और हाशिए पर पड़े समूहों को डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान करना एक संवैधानिक दायित्व बन जाता है।
- **राज्य का दायित्व:** न्यायालय के अनुसार, राज्य को डिजिटल पहुंच में निष्पक्षता और समानता सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार), अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 15 (भेदभाव के विरुद्ध अधिकार) और अनुच्छेद 38 (सामाजिक न्याय) के तहत डिजिटल बुनियादी ढांचे तक समान पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए।

समावेशी डिजिटल पहुंच का महत्व:

- आवश्यक सरकारी योजनाओं तक पहुंच सुनिश्चित करता है।
- ग्रामीण-शहरी अंतर को कम करता है।

- ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म, वित्तीय सेवाओं और अन्य डिजिटल उपकरणों तक पहुंच को सुगम बनाता है, जो हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए विकास प्रक्रिया में पूरी तरह से भाग लेने के लिए महत्वपूर्ण है।



गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए)



चर्चा में क्यों ?

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2023 के संसद विरोध प्रदर्शन में आरोपी दो व्यक्तियों पर यूएपीए के आवेदन पर चिंता जताई और इस बात पर जोर दिया कि हालांकि यह विरोध प्रदर्शन महत्वपूर्ण था, लेकिन यह जरूरी नहीं कि आतंकवादी कृत्य के रूप में योग्य हो।

गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के बारे में

यूएपीए का विकास

- **1966 - यूएपीए अध्यादेश जारी:** व्यक्तियों और संगठनों द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए 17 जून 1966 को राष्ट्रपति द्वारा गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अध्यादेश जारी किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 1967 में यूएपीए औपचारिक रूप से अधिनियमित हुआ।

- **1967 - स्थापना:** राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाली गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए यूएपीए को औपचारिक रूप से लागू किया गया, जिससे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति मिली।
- **1985 - विस्तारित फोकस:** उग्रवाद और अलगाववादी आंदोलनों से निपटने के लिए संशोधन किया गया, जिससे गैरकानूनी गतिविधियों का दायरा व्यापक हो गया।
- **2004 - आतंकवाद विरोधी प्रावधान:** टाडा (1987) और पोटा (2002) को निरस्त करने के बाद आतंकवाद को विशेष रूप से संबोधित करने के लिए यूएपीए में संशोधन किया गया, जो आतंकवाद को लक्षित करने वाले अस्थायी कानून थे।
- **2008 - 26/11 के बाद संशोधन:** आतंकवाद की परिभाषा का विस्तार किया गया, तथा कारावास और जमानत की शर्तें सख्त की गईं।
- **2012 - आर्थिक सुरक्षा:** आर्थिक सुरक्षा को आतंकवाद के हिस्से के रूप में शामिल किया गया, तथा जाली मुद्रा की तस्करी को आतंकवादी कृत्य घोषित किया गया।
- **2019 - व्यक्तियों को आतंकवादी नामित करने का अधिकार:** संशोधन ने सरकार को व्यक्तियों को आतंकवादी नामित करने की अनुमति दी और साइबर आतंकवाद और वित्तपोषण के लिए प्रावधान जोड़े।



अवलोकन

- यूएपीए को व्यक्तियों और संगठनों द्वारा विशिष्ट गैरकानूनी गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से रोकने, आतंकवादी कृत्यों से निपटने और संबंधित मुद्दों का प्रबंधन करने के लिए पेश किया गया था।

- अधिनियम के तहत गैरकानूनी गतिविधियों में भारत के किसी भी हिस्से को अलग करने या पृथक् करने का समर्थन करना या उकसाना, या इसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देना या उसका अनादर करना शामिल है।
- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को यूएपीए द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मामलों की जांच और मुकदमा चलाने का अधिकार दिया गया है।
- इसके अतिरिक्त, एनआईए के महानिदेशक को एजेंसी द्वारा जांच के दौरान संपत्ति की जब्ती या कुर्को को मंजूरी देने का अधिकार है।

POCSO अधिनियम और CAL (P&R) अधिनियम पर राष्ट्रीय परामर्श



चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने हाल ही में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम, 2012 और बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 पर राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया।

- **यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012**
 - ◆ वर्ष 2012 में लागू किया गया POCSO अधिनियम, भारत का पहला व्यापक कानून है जो विशेष रूप से बच्चों के यौन शोषण से निपटता है और इसकी देखरेख महिला एवं बाल विकास मंत्रालय करता है।
 - ◆ इसका प्राथमिक उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न, उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी के माध्यम से शोषण से बचाना है, साथ ही संबंधित मामलों को निपटाने के लिए विशेष न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान करना है।
 - ◆ वर्ष 2019 में, कुछ अपराधों के लिए दंड बढ़ाने के लिए अधिनियम में संशोधन किया गया, जिससे अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सके और बच्चों के विकास के लिए सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।
- **बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986**
 - ◆ बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 को 2016 में संशोधित किया गया और इसका नाम बदलकर बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 कर दिया गया।
 - ◆ यह किसी भी व्यवसाय या प्रक्रिया में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन पर सख्त प्रतिबंध लगाता है।

ई-जीरो एफआईआर



चर्चा में क्यों ?

नई ई-जीरो एफआईआर पहल से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की 1930 हेल्पलाइन पर पंजीकृत 10 लाख रुपये से अधिक के साइबर वित्तीय अपराधों को स्वचालित रूप से एफआईआर में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

ई-जीरो एफआईआर के बारे में

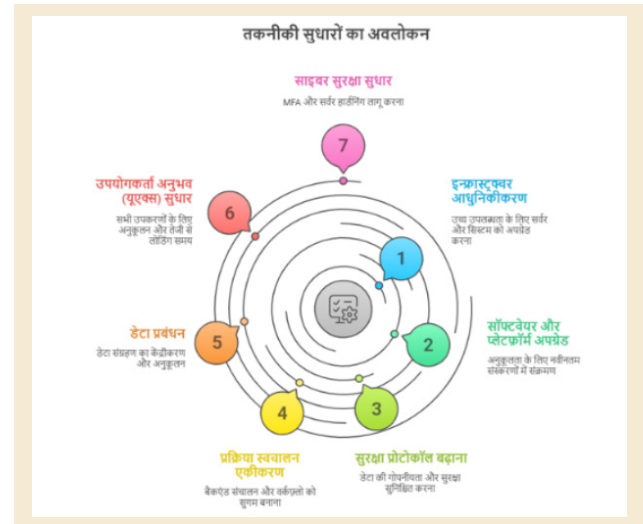
- ई-जीरो एफआईआर पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'साइबर सुरक्षित भारत' के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की बैठक में इसके कार्यान्वयन का निर्देश दिया, ताकि पीड़ितों को साइबर वित्तीय अपराधों से खोई हुई धनराशि वापस पाने में मदद मिल सके।
- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध की शिकायतों की आसान रिपोर्टिंग और त्वरित कार्रवाई को सक्षम बनाते हैं।

जीरो एफआईआर क्या है ?

- जीरो एफआईआर एक प्रथम जांच रिपोर्ट है जो अपराध चाहे कहीं भी हुआ हो, दर्ज की जाती है।
- इससे पुलिस को अधिकार क्षेत्र के अभाव के कारण शिकायत दर्ज करने से इंकार करने से रोका जा सकेगा।
- इसके बाद एफआईआर को जांच शुरू करने के लिए सही पुलिस स्टेशन भेज दिया जाता है।
- 2012 के निर्भया मामले के बाद न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सिफारिश के आधार पर प्रस्तुत इस कानून के तहत कानूनी तौर पर पुलिस को बिना देरी किए तुरंत कार्रवाई करने की आवश्यकता होती है।
- इसका मुख्य लक्ष्य पीड़ितों को आसानी से शिकायत दर्ज कराने में मदद करना तथा अनावश्यक बाधाओं के बिना त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है।

नए ओसीआई पोर्टल के बारे में

- नया ओसीआई पोर्टल 5 मिलियन से अधिक मौजूदा ओसीआई कार्डधारकों और नए आवेदकों के लिए बेहतर सुविधाएं, बेहतर सुरक्षा और उपयोग में आसान इंटरफ़ेस प्रदान करता है।
- विदेशी भारतीय नागरिक (ओसीआई) योजना 2005 में नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करके शुरू की गई थी।
- यह योजना भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत के विदेशी नागरिक के रूप में पंजीकरण कराने की अनुमति देती है, यदि वे 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत के नागरिक थे, या उस तारीख को नागरिक बनने के पात्र थे।
- जो लोग पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक हैं या थे, या जिनके माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-परदादी इन देशों के नागरिक थे, वे ओसीआई के लिए पात्र नहीं हैं।
- पहला ओसीआई सेवा पोर्टल 2013 में लॉन्च किया गया था और यह दुनिया भर में 180 से अधिक भारतीय मिशन और 12 विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालयों (एफआरआरओ) में संचालित होता है।
- तकनीकी सुधारों और ओसीआई कार्डधारकों से प्राप्त फीडबैक के कारण, पोर्टल को पिछली समस्याओं को दूर करने और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पुनः डिज़ाइन किया गया है।



नया ओसीआई पोर्टल



चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक नया ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) पोर्टल लॉन्च किया।

राज्यपाल

राज्यपाल के बारे में

- राज्यपाल किसी राज्य का मुख्य कार्यकारी प्रमुख होता है तथा राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति के समान नाममात्र (संवैधानिक) प्रमुख के रूप में कार्य करता है।

- आमतौर पर प्रत्येक राज्य का अपना राज्यपाल होता है, लेकिन 7वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 के तहत एक ही व्यक्ति कई राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
- नाममात्र का प्रमुख होने के बावजूद, राज्यपाल के पास महत्वपूर्ण कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शक्तियां होती हैं।

संवैधानिक प्रावधान

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद और महाधिवक्ता के साथ मिलकर राज्य कार्यकारिणी का गठन करते हैं।
- संविधान में अनुच्छेद 153 से 167 राज्यपाल की भूमिका के बारे में बताते हैं। अनुच्छेद 153 प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल की नियुक्ति को अनिवार्य बनाता है, लेकिन एक व्यक्ति को एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल बनने की अनुमति देता है।
- **नियुक्ति:** राज्यपाल की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 155 के तहत की जाती है और वह जनता या निर्वाचक मंडल द्वारा निर्वाचित नहीं होता है, जिससे राज्यपाल केंद्र सरकार का नामित व्यक्ति बन जाता है।
- **योग्यताएं:** अनुच्छेद 157 के अनुसार, राज्यपाल को भारतीय नागरिक होना चाहिए तथा उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
- **शपथ:** पदभार ग्रहण करने से पहले राज्यपाल अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने, संविधान की रक्षा करने और राज्य की जनता की सेवा करने की शपथ लेते हैं। शपथ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा दलाई जाती है।
- **उन्मुक्ति और विशेषाधिकार:** राज्यपाल को आपराधिक कार्यवाही से छूट प्राप्त है और कार्यकाल के दौरान उन्हें गिरफ्तार या कैद नहीं किया जा सकता। सिविल मामलों में दो महीने का नोटिस देना आवश्यक है।

अवधि और निष्कासन

- 5 वर्ष तक सेवा करता है, लेकिन राष्ट्रपति की इच्छा पर ही पद धारण करता है।
- राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कभी भी इस्तीफा दे सकते हैं।
- राष्ट्रपति राज्यपाल का कार्यकाल स्थानांतरित या बढ़ा सकता है।
- हटाने के लिए किसी विशेष आधार की आवश्यकता नहीं है।

शक्तियां और कार्य

- **कार्यपालिका:** मुख्यमंत्री, मंत्रियों, महाधिवक्ता, राज्य चुनाव आयुक्त आदि की नियुक्ति करती है।
- **विधायी:** विधानमंडल को बुलाना/भंग करना, सत्रों को संबोधित करना, विधेयकों पर वीटो शक्ति।
- **वित्तीय:** राज्य बजट और धन विधेयक को मंजूरी देता है।

- **न्यायिक:** क्षमादान प्रदान करता है तथा न्यायाधीशों की नियुक्ति पर राष्ट्रपति को सलाह देता है।

धन शोधन निवारण

अधिनियम (पीएमएलए), 2002



चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक मामले में मूल्यवान संपत्तियों के हस्तांतरण से जुड़ी आपराधिक साजिश का आरोप लगाया है। जांच मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों के तहत कुछ पक्षों को करोड़ों की संपत्ति के अवैध हस्तांतरण पर केंद्रित है।

पीएमएलए के बारे में

- धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 का उद्देश्य भारत में धन शोधन को रोकना, अवैध धन से अर्जित संपत्ति को जब्त करना और इससे संबंधित मुद्दों का समाधान करना है।
- धारा 3 के तहत धन शोधन को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि इसमें जानबूझकर अपराध की आय को वैध दिखाकर उसका लेन-देन किया जाता है।
- अधिनियम के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ग्राहकों और लेनदेन के रिकार्डों का सत्यापन और रखरखाव करना आवश्यक है तथा यह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को धन शोधन में शामिल संपत्तियों की जांच करने और उन्हें कुर्क करने का अधिकार देता है।
- धारा 45 में आरोपी व्यक्तियों को जमानत देने के लिए कठोर शर्तें निर्धारित की गई हैं, जिससे पीएमएलए के तहत अपराध गैर-जमानती हो गए हैं; यद्यपि इन्हें अदालतों में चुनौती दी गई है, फिर भी संशोधन के माध्यम से ये प्रावधान बने हुए हैं।

महत्वपूर्ण शर्तें

- **धन शोधन:** यह मादक पदार्थों की तस्करी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, गबन, जुआ, या अवैध यौन कार्य जैसे अपराधों के माध्यम से अर्जित धन के अवैध स्रोत को छिपाने का कार्य है, यह दिखाकर कि यह एक वैध स्रोत से आया है, अक्सर नकली व्यवसायों का उपयोग करके।
- **हवाला:** यह लोगों के बीच पैसे ट्रांसफर करने का एक अनौपचारिक तरीका है, जिसमें नकदी की भौतिक आवाजाही नहीं होती। यह बिना किसी औपचारिक कागजी कार्रवाई के काम करता है, जिससे यह धन भेजने का एक गुप्त और गुमनाम तरीका बन जाता है।

भारत निर्वाचन आयोग



चर्चा में क्यों ?

चुनाव आयोग ने चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों के लिए 19 जून 2025 को उपचुनाव कराने की घोषणा की है।

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बारे में

- **संविधान द्वारा स्थापित:** भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत बनाया गया एक स्थायी और स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है।
- **मुख्य जिम्मेदारी:**
 - ◆ यह निम्नलिखित के लिए चुनाव आयोजित करता है:
 - संसद (लोकसभा और राज्यसभा)
 - राज्य विधान सभाएं और परिषदें
 - भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति



नोट:

नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव राज्य चुनाव आयोगों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं।

रचना और संरचना

- **सदस्य:** शुरू में इसमें केवल एक सदस्य (मुख्य चुनाव आयुक्त) होता था। 1989 में इसमें दो और सदस्य जोड़े गए - अब यह तीन सदस्यों वाली संस्था है।

- **नियुक्ति:** भारत के राष्ट्रपति तीनों की नियुक्ति करते हैं - मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्त।
- **कार्यकाल:** वे 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, सेवा करते हैं।
- **निष्कासन:** मुख्य चुनाव आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत के माध्यम से हटाया जा सकता है। (अन्य चुनाव आयुक्तों को केवल मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश पर ही हटाया जा सकता है।)

महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधान

- **अनुच्छेद 324:** चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया का पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण करने की शक्ति देता है।
- **अनुच्छेद 325:** किसी भी नागरिक को धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता।
- **अनुच्छेद 326:** 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को मताधिकार प्रदान करता है (सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार)।
- **अनुच्छेद 327:** संसद को संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के बारे में नियम बनाने की अनुमति देता है।
- **अनुच्छेद 328:** राज्य विधानसभाओं को राज्य स्तरीय चुनावों के लिए कानून बनाने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 329:** न्यायालय चुनावी मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।



विझिंजम बंदरगाह

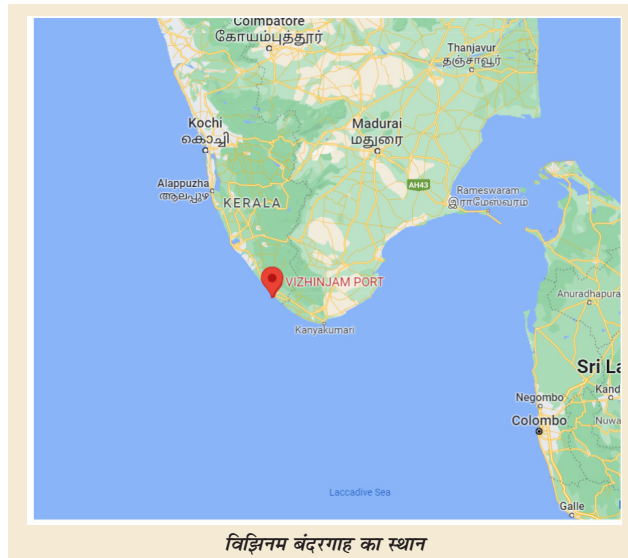


चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल में विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह (वीआईएस) का उद्घाटन किया।

विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह (वीआईएस) के बारे में

- भारत का पहला गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, जो कंटेनर और बहुउद्देश्यीय कार्गो को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत विकसित।
- डिज़ाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर कार्य करता है।



विझिंजम बंदरगाह का स्थान

- **रणनीतिक स्थान**
 - ◆ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों से 10 समुद्री मील की दूरी पर स्थित।
 - ◆ यह यूरोप, फारस की खाड़ी और सुदूर पूर्व को जोड़ता है।
 - ◆ यह 18 से 20 मीटर की गहराई तक बड़े जहाजों के लिए पहुंच को सक्षम बनाता है।
- **प्रौद्योगिकी प्रगति:**
 - ◆ भारत का पहला अर्ध-स्वचालित बंदरगाह।

- ◆ एआई-संचालित नियंत्रण कक्ष से सुसज्जित।
- ◆ इसमें भारत की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली (वीटीएमएस) की सुविधा दी गई है।

फसल का मौसम

भारत में फसल का मौसम

भारत की कृषि की विशेषता इसके विविध फसल मौसम हैं, जिन्हें मुख्य रूप से खरीफ, रबी और जायद फसलों में विभाजित किया गया है। ये फसलें मौसमी जलवायु, पानी की उपलब्धता और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर उगाई जाती हैं। खरीफ का मौसम मानसून के दौरान होता है, जबकि रबी की खेती सर्दियों में की जाती है, और जायद की फसलें रबी और खरीफ के बीच गर्मियों में बोई जाती हैं। नीचे इन फसलों और उनकी विशेषताओं का विवरण दिया गया है।

खरीफ फसलें: खरीफ फसलें आमतौर पर मानसून के मौसम की शुरुआत में जून से जुलाई तक बोई जाती हैं और सितंबर से अक्टूबर में काटी जाती हैं।

विशेषता	खरीफ फसलें
बुवाई अवधि	जून से जुलाई (मानसून की शुरुआत)
कटाई अवधि	सितम्बर से अक्टूबर (शरद ऋतु)
जलवायु आवश्यकताएँ	पर्याप्त वर्षा के साथ गर्म और आर्द्र परिस्थितियाँ
जल निर्भरता	मानसून की वर्षा पर अत्यधिक निर्भरता
मिट्टी का प्रकार	अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी जो नमी बरकरार रखती है
उदाहरण	चावल, मक्का, कपास, बाजरा, सोयाबीन, मूंगफली, गन्ना

रबी फसलें: रबी फसलें आमतौर पर मानसून के बाद, अक्टूबर से नवंबर के बीच बोई जाती हैं, और ठंडे तापमान के दौरान अप्रैल से जून के बीच काटी जाती हैं।

विशेषता	रबी फसलें
बुवाई अवधि	अक्टूबर से नवंबर (मानसून के बाद)
कटाई अवधि	अप्रैल से जून (वसंत)

Contd...



विशेषता	रबी फसलें
जलवायु आवश्यकताएँ	ठंडा तापमान, आमतौर पर 15°C से 20°C के बीच
जल निर्भरता	कम पानी की आवश्यकता होती है, अक्सर सिंचाई की आवश्यकता होती है
मिट्टी का प्रकार	दोमट या जलोढ़ मिट्टी जो कुछ नमी बनाए रखती है
उदाहरण	गेहूँ, जौ, सरसों, मटर, चना, आलू, प्याज

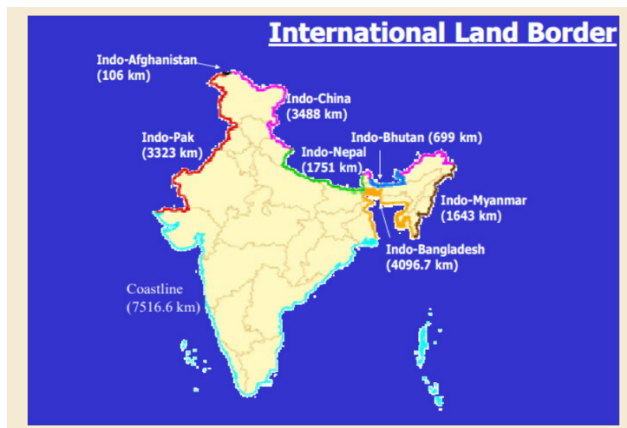
जायद फसलें: जायद फसलें रबी और खरीफ मौसम (मार्च से जून) के बीच बोई जाती हैं और इनका विकास चक्र छोटा होता है, जिसके लिए अक्सर कम पानी की आवश्यकता होती है।

विशेषता	जायद फसलें
बुवाई अवधि	मार्च से जून (रबी और खरीफ के बीच)
कटाई अवधि	बुवाई के 60 से 90 दिन बाद (छोटी अवधि)
जलवायु आवश्यकताएँ	फूल खिलने के लिए गर्म, शुष्क परिस्थितियाँ तथा दिन के अधिक प्रकाश की आवश्यकता होती है
जल निर्भरता	खरीफ और रबी फसलों की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है
मिट्टी का प्रकार	अच्छी जल निकासी वाली, उच्च उर्वरता वाली मिट्टी को प्राथमिकता देता है
उदाहरण	तरबूज, खरबूजा, खीरा, करेला, ग्वार

भारत के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ

- भारत अपनी स्थलीय सीमा 7 देशों के साथ साझा करता है: बांग्लादेश, चीन, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार, अफगानिस्तान।
- सीमाएँ विभिन्न भूभागों में फैली हुई हैं: रेगिस्तान, दलदल, पहाड़, जंगल आदि।



भारतीय सीमा	विवरण
नियंत्रण रेखा (एलओसी)	भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य-नियंत्रित सीमा, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में। मूल रूप से युद्ध विराम रेखा के रूप में जानी जाने वाली इस सीमा को 1972 में शिमला समझौते के बाद LOC नाम दिया गया।
वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)	भारत और चीन के बीच सीमा रेखा, जिसे शुरू में युद्ध विराम रेखा के रूप में स्थापित किया गया था, बाद में संघर्ष के बाद LAC में बदल गई। यह भारत और चीन को अलग करने का काम करती है।
डूरंड रेखा	सर मोर्टिमर डूरंड द्वारा निर्धारित सीमा, भारत और अफगानिस्तान को अलग करती है। 1896 में स्थापित, यह जम्मू और कश्मीर क्षेत्र को छूती है।
रेडक्लिफ लाइन	भारत और पाकिस्तान को विभाजित करने वाली रेडक्लिफ रेखा का नाम सीमा आयोग के अध्यक्ष सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है। इसे अगस्त 1947 में स्थापित किया गया था और यह पश्चिमी तरफ भारत और पाकिस्तान को और पूर्वी तरफ भारत और बांग्लादेश को अलग करती है।
मैकमोहन रेखा	भारत और चीन के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा, ब्रिटिश सरकार के विदेश सचिव सर हेनरी मैकमोहन द्वारा निर्धारित की गई थी। इसे 3 जुलाई, 1914 को शिमला सम्मेलन में स्थापित किया गया था।

सीमा सुरक्षा बल (एक सीमा, एक बल नीति)	
सीमा/रेखा	जिम्मेदार बल
बांग्लादेश, पाकिस्तान	सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)
चीन	भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी)
नेपाल, भूटान	सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी)
म्यांमार	असम राइफल्स (एआर)
नियंत्रण रेखा (भारत-पाकिस्तान)	भारतीय सेना
एलएसी (भारत-चीन)	भारतीय सेना
तटीय सीमाएँ	भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक बल + राज्य समुद्री पुलिस

दक्षिण-पश्चिम मानसून



चर्चा में क्यों ?

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2025 के लिए सामान्य से अधिक दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा का अनुमान लगाया है, जिससे कृषि और जल संसाधनों को लाभ होगा।

भारतीय मानसून अवलोकन

- मौसमी वायु परिवर्तन भारी वर्षा लाता है।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितम्बर) हिंद महासागर से नमी लाता है।
- पूर्वोत्तर मानसून (अक्टूबर से दिसंबर) मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी भारत को प्रभावित करता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की विशेषताएँ

- आमतौर पर यह जून के शुरू में आता है, लेकिन समय अलग-अलग होता है।
- इससे खेती के लिए भारी और असमान वर्षा आवश्यक हो जाती है।
- सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ता है जिससे फसलें खराब हो सकती हैं।
- सितम्बर के अंत या अक्टूबर तक वापस ले लिया जाएगा।
- वर्षा का पैटर्न प्रतिवर्ष बदलता रहता है (मानसून की अनियमितता)।

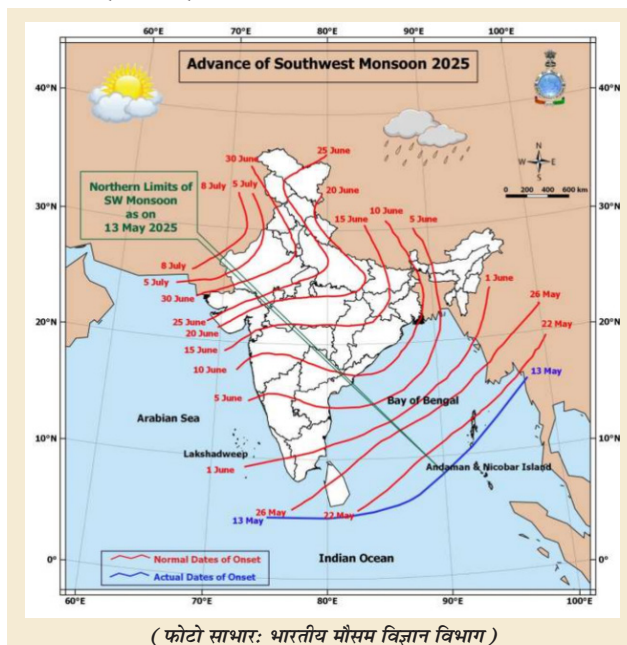
मानसून की व्याख्या करने वाले सिद्धांत

- **तापीय सिद्धांत:** तापमान में अंतर के कारण भूमि पर कम दबाव उत्पन्न होता है, जिससे आर्द्र हवाएं चलती हैं, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की शाखाओं में विभाजित हो जाती हैं।
- **भूमध्यरेखीय पश्चिमी सिद्धांत:** आईटीसीजेड का उत्तर की ओर स्थानांतरण दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाओं का निर्माण करता है।
- **जेट स्ट्रीम सिद्धांत:** उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट निम्न दबाव को सक्रिय करता है, तथा नम हवाएं खींचता है; उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट शीतकालीन मानसून को प्रभावित करता है।
- **एल-नीनो सिद्धांत:** प्रशांत महासागर की गर्म धाराएं दबाव के पैटर्न को बाधित करती हैं, जिससे मानसून कमजोर होता है, लेकिन इसकी परिवर्तनशीलता को पूरी तरह से स्पष्ट नहीं किया जा सकता।

मानसून की स्थितियाँ

- आगमन पर तापमान 3-6°C तक गिर जाता है; पश्चिमी भारत में सबसे अधिक, तटों और पहाड़ों पर ठंडा।
- उत्तर-पश्चिम भारत पर कम दबाव के कारण दक्षिण-पश्चिमी हवाएं चलती हैं।

- दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत की वार्षिक वर्षा का लगभग 75% प्रदान करता है।
- **सामान्य शुरुआत:** 20 मई (अंडमान और निकोबार), 1 जून (केरल)। देरी से दक्षिण से उत्तर की ओर वर्षा की अवधि और मात्रा कम हो जाती है।



तुलारे झील



चर्चा में क्यों ?

कैलिफोर्निया में तुलारे झील, जो पहले लुप्त हो गई थी, 2023 में वायुमंडलीय नदियों के प्रभाव के कारण 130 वर्षों के बाद पुनः प्रकट होगी।

तुलारे झील के बारे में

- **स्थान:** सैन जोकिन घाटी, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- ऐतिहासिक रूप से, यह मिसिसिपी नदी के पश्चिम में सबसे बड़ी मीठे पानी की झील थी।
- झील का जल कर्न नदी द्वारा पुनः भरा जाता है, जो दक्षिणी सिएरा नेवादा पर्वतों में बर्फ के पिघलने से जल प्राप्त करती है।
- तुलारे झील मुख्यतः व्यापक मानव निर्मित सिंचाई गतिविधियों के कारण सूख गयी।
- ताची योकुट जनजाति पानी के लिए इस झील पर निर्भर थी, क्योंकि इस क्षेत्र में वर्षा बहुत कम होती है।



बिग बैंग थ्योरी

बिग बैंग थ्योरी क्या है ?

- बिग बैंग थ्योरी ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विस्तार की व्याख्या करती है। इसे विस्तारित ब्रह्मांड परिकल्पना भी कहा जाता है।
- **एडविन हबबल द्वारा साक्ष्य (1920):** हबबल ने पाया कि आकाशगंगाएँ एक दूसरे से दूर जा रही हैं, जो यह दर्शाता है कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है।
- **बिग बैंग के प्रमुख चरण**
 - ◆ **विलक्षणता:** प्रारंभ में, सभी पदार्थ एक अत्यंत छोटे, गर्म और सघन बिंदु में केंद्रित थे जिसे विलक्षणता कहा जाता था।
 - ◆ **विस्फोट और विस्तार:** लगभग 13.7 अरब वर्ष पहले, इस छोटे से बिंदु में हिंसक विस्फोट हुआ, जिसके कारण ब्रह्मांड का तेजी से विस्तार हुआ।
 - ◆ **ऊर्जा से पदार्थ:** विस्तार के दौरान, ऊर्जा पदार्थ में परिवर्तित हो जाती है।
 - ◆ **परमाणु निर्माण:** पहले 3 मिनट के भीतर, पहले परमाणुओं का निर्माण शुरू हो गया।
 - ◆ **ब्रह्मांड की पारदर्शिता:** 300,000 वर्षों के बाद, तापमान 4,500 केल्विन तक गिर गया, जिससे परमाणुओं को स्वतंत्र रूप से बनने की अनुमति मिली और ब्रह्मांड पारदर्शी हो गया।

- **निरंतर विस्तार:** ब्रह्मांड का विस्तार आज भी जारी है, लेकिन प्रारंभिक विस्फोट के बाद से विस्तार की दर धीमी हो गई है।
- **वैकल्पिक सिद्धांत - स्थिर अवस्था:** फ्रेड होयल ने प्रस्तावित किया कि ब्रह्मांड समय के साथ अपरिवर्तित रहता है। हालाँकि, बढ़ते प्रमाण इसके बजाय विस्तारित ब्रह्मांड सिद्धांत का समर्थन करते हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है ?

बिग बैंग थ्योरी इस बात की सबसे स्वीकार्य वैज्ञानिक व्याख्या है कि ब्रह्मांड कैसे शुरू हुआ और कैसे विकसित हुआ, जिसने ब्रह्मांड विज्ञान और भौतिक दुनिया के बारे में हमारी समझ को आकार दिया।

ब्रह्मांड के विकास में प्रमुख चरण	
लौकिक पटना	विवरण
आदिम अवस्था	ब्रह्माण्ड की शुरुआत एक बहुत छोटे, गर्म और सघन बिंदु के रूप में हुई जिसे सिंगुलेरिटी कहा जाता है।
बिग बैंग थ्योरी	लगभग 13.8 अरब वर्ष पहले एक विशाल विस्फोट हुआ जिसके कारण ब्रह्माण्ड का विस्तार होना शुरू हो गया।
लौकिक विस्तार	ब्रह्माण्ड का विस्तार होता रहता है, तथा अंतरिक्ष बढ़ने के साथ आकाशगंगाएँ एक दूसरे से दूर होती जाती हैं।
मौलिक बलों का गठन	प्रकृति की चार मूल शक्तियाँ (गुरुत्वाकर्षण, विद्युत चुम्बकत्व, प्रबल एवं दुर्बल नाभिकीय बल) अलग हो गईं और विकसित हुईं।
प्रथम परमाणुओं का निर्माण	ब्रह्माण्ड इतना ठंडा हो गया कि प्रोटॉन और न्यूट्रॉन आपस में मिल गये और प्रथम परमाणु का निर्माण हुआ।
ताप और आकाशगंगाओं का जन्म	गुरुत्वाकर्षण के कारण पदार्थ एकत्रित होकर तारों, आकाशगंगाओं और तत्वों का निर्माण करते हैं।
पृथ्वी पर जीवन का उद्भव	हमारे सौरमंडल और पृथ्वी का निर्माण हुआ, उसके बाद जीवन का उद्भव और विकास हुआ।
निरंतर ब्रह्मांडीय अन्वेषण	वैज्ञानिक यह समझने के लिए ब्रह्मांड का अध्ययन करते रहते हैं कि यह कैसे काम करता है और इसके रहस्य क्या हैं।

3

पर्यावरण और पारिस्थितिकी

सौर ऊर्जा



चर्चा में क्यों ?

संतोष सारंगी को भारतीय सौर ऊर्जा निगम का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया गया।

भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (एसईसीआई) क्या है ?

2011 में स्थापित SECI, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) की प्राथमिक कार्यान्वयन एजेंसी है, जो भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का समर्थन करती है।

सौर ऊर्जा के बारे में

सौर ऊर्जा सूर्य से प्राप्त ऊर्जा है जिसे तापीय या विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है।

सौर ऊर्जा रूपांतरण के तरीके

- **फोटोवोल्टिक सेल (सौर पैनल)**
 - ◆ विभिन्न अर्धचालक सामग्रियों से निर्मित।
 - ◆ ये कोशिकाएं सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में परिवर्तित करती हैं।
 - ◆ आमतौर पर आवासीय या वाणिज्यिक बिजली की जरूरतों के लिए ग्रिड-बंधी प्रणालियों में उपयोग किया जाता है।
- **संकेन्द्रित सौर-तापीय ऊर्जा (सीएसपी) प्रणालियाँ**
 - ◆ सूर्य के प्रकाश को रिसीवर पर परावर्तित करने और केंद्रित करने के लिए दर्पण का उपयोग करें।
 - ◆ ये रिसीवर संकेन्द्रित सूर्य प्रकाश को ऊष्मा में परिवर्तित करते हैं, जिसका उपयोग फिर बिजली पैदा करने के लिए किया जाता है।
 - ◆ आमतौर पर बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्रों में उपयोग किया जाता है।

सौर फोटोवोल्टिक प्रणालियों के प्रकार

- **ग्रिड-बंधित (ऑन-ग्रिड) प्रणाली**
 - ◆ उपयोगिता ग्रिड से जुड़ा हुआ।
 - ◆ इससे अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में वापस भेजा जा सकता है।

◆ **लाभ:** ऊर्जा भंडारण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

- **बैटरी बैकअप के साथ ग्रिड-बंधित**

- ◆ सौर पैनल, ग्रिड कनेक्शन और बैटरी को एकीकृत करता है।
- ◆ बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए असामान्य ग्रिड स्थितियों के दौरान बैटरी बैकअप प्रदान करता है।

- **ऑफ-ग्रिड सिस्टम**

- ◆ सूर्य के प्रकाश को प्रत्यक्ष धारा (डीसी) ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए सौर पैनलों का उपयोग किया जाता है।
- ◆ सूर्य का प्रकाश उपलब्ध न होने पर उपयोग के लिए इस ऊर्जा को बैटरियों में संग्रहित किया जाता है।
- ◆ उन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त जहां बिजली ग्रिड तक विश्वसनीय पहुंच नहीं है।

उत्तर भारत में पराली जलाना



चर्चा में क्यों ?

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अमृतसर द्वारा 2025 में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि पंजाब में पराली जलाने का मुख्य कारण संरचनात्मक बाजार विकृतियां और नीतिगत प्रोत्साहन, विशेष रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) है।

पराली जलाना क्या है ?

पराली जलाना फसल अवशेष, खास तौर पर धान की पराली को जलाने की प्रथा है, ताकि अगली फसल के लिए खेतों को जल्दी से जल्दी साफ किया जा सके। यह व्यापक समस्या विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अक्टूबर-नवंबर के दौरान प्रचलित है।

भारत में पराली जलाने के जारी रहने के कारण

- **एकल फसल और एमएसपी प्रणाली:** एमएसपी केवल गेहूं और चावल का समर्थन करता है, जिससे फसल विविधीकरण हतोत्साहित होता है और पराली जलाने को बढ़ावा मिलता है।
- **बाजार संबंधी मुद्दे:** बिचौलियों से फसल की कम कीमत और लागत को कवर न करने वाली एमएसपी दरें किसानों को कर्ज और जलाने जैसी हानिकारक प्रथाओं में धकेलती हैं।



- **विकल्पों का अभाव:** फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कोई किफायती, टिकाऊ समाधान नहीं है, जिससे जलाना एक सस्ता विकल्प बन गया है।
- **जलवायु तनाव:** बारिश में देरी और बढ़ते तापमान के कारण खेतों की कटाई में जल्दबाजी होती है, जिससे पराली जलाने की प्रवृत्ति बढ़ती है।
- **अप्रभावी जैव-अपघटक:** जैव-अपघटकों का उपयोग रसद संबंधी देरी और असंगत परिणामों के कारण कम किया जाता है।

पराली जलाने का प्रभाव

- पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, विशेष रूप से उत्तरी भारत में, जिससे PM_{2.5} का स्तर बढ़ता है और दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब होती है।
- आईआईटी और टेरी द्वारा 2023 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि फसल के मौसम में वायु प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 22-35% होती है।

तकनीकी उपाय

- **हैप्पी सीडर:** एक ऐसा उपकरण जो धान के खेतों में गेहूं की बुआई करता है, साथ ही पुआल को काटने और उठाने का काम भी करता है, जिससे जलाने की जरूरत नहीं पड़ती।
- **पूसा डीकंपोजर:** सूक्ष्म जीवाणुओं द्वारा निर्मित फार्मूलेशन जो पराली को विघटित कर खाद बनाता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।
- **पेलेटीकरण:** ऊर्जा उत्पादन के लिए फसल अवशेषों को बायोमास पेलेट में परिवर्तित करता है।
- **बायोचार उत्पादन:** फसल अवशेषों को बायोचार में परिवर्तित करता है, जिससे मृदा की उर्वरता बढ़ती है और कार्बन अवशोषण में सहायता मिलती है।

सौर अनुसंधान के 125 वर्ष



चर्चा में क्यों ?

- भारत ने कोडईकनाल सौर वेधशाला की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक स्मारक टिकट जारी किया।

प्रमुख बिंदु

- **कार्यक्रम:** भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए), बेंगलुरु में डाक टिकट विमोचन का आयोजन।
- **वेधशाला स्थापना:** 1 अप्रैल, 1899, तमिलनाडु में स्थित।

- **संस्थान:** भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) का हिस्सा।
- **विरासत:** एक शताब्दी से अधिक समय तक भारतीय सौर खगोल भौतिकी अनुसंधान में अग्रणी।

टिकट की विशेषताएं

- वेधशाला की ऐतिहासिक दो गुम्बद वाली इमारत को दर्शाता है।
- **दायां गुम्बद:** इसमें 6 इंच का दूरबीन (1850 का, मूलतः मद्रास वेधशाला) स्थित है।
- **बायां गुम्बद:** इसमें 8 इंच का दूरबीन (1866 से) है।
- इसमें सूर्य की नवीनतम एच-अल्फा छवि (6 मई, 2024) शामिल है।
- इसमें IIA का लोगो और 1904 से 2020 तक के सनस्पॉट डेटा को दर्शाने वाला 'बटरफ्लाई डायग्राम' प्रदर्शित किया गया है।

टिकट का उद्देश्य

- भारत में सौर अनुसंधान के 125 वर्षों का सम्मान करना।
- वैश्विक सौर विज्ञान में भारत के योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- डाक टिकट संग्रहकर्ताओं और विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक संग्रहणीय श्रद्धांजलि प्रदान करना।

ऑपरेशन ओलिविया



चर्चा में क्यों ?

भारतीय तटरक्षक बल ने घोषणा की है कि उसके ऑपरेशन ओलिविया अभियान के तहत ओडिशा में रुशिकुल्या नदी के मुहाने पर घोंसले के मौसम के दौरान 6.98 लाख ओलिव रिडले कछुओं को सफलतापूर्वक संरक्षित किया गया, जो समुद्री संरक्षण में एक रिकॉर्ड उपलब्धि है।

उद्देश्य और लक्ष्य

- अवैध मछली पकड़ने और आवासों के विनाश जैसे खतरों को कम करके ओलिव रिडले कछुओं के सुरक्षित घोंसले सुनिश्चित करना।
- स्थानीय समुदायों और गैर सरकारी संगठनों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करें।
- मछली पकड़ने के दौरान कछुओं की सुरक्षा के लिए कछुआ बहिष्करण उपकरणों (TEDs) का उपयोग करने जैसी टिकाऊ मछली पकड़ने की विधियों को बढ़ावा दें।

पृष्ठभूमि और कार्यान्वयन

- ऑपरेशन ओलिविया 1980 के दशक के प्रारंभ में शुरू किया गया था और यह प्रतिवर्ष नवम्बर से मई तक चलता है।

- यह ओडिशा में महत्वपूर्ण घोंसले के शिकार तटों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें गहिरमाथा और रुशिकुल्या नदी मुहाना भी शामिल हैं, जो ओलिव रिडले कछुओं के लिए प्रमुख प्रजनन स्थल हैं।

ऑलिव रिडले कछुए के बारे में

- ओलिव रिडले कछुए विश्व में सबसे छोटे और सर्वाधिक संख्या वाले समुद्री कछुए हैं।
- अपने खोल के जैतून-हरे रंग के कारण इनका यह नाम पड़ा है, तथा ये अपने उल्लेखनीय सामूहिक घोंसले के निर्माण के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसे अरिबाडा के नाम से जाना जाता है, जहां हजारों मादाएं एक ही समुद्र तट पर एक साथ घोंसला बनाती हैं।



ऑलिव रिडले कछुआ

शिरुई लिली महोत्सव



चर्चा में क्यों ?

शिरुई लिली महोत्सव उखरुल जिले के उखरुल शहर और शिरुई गांव में आयोजित किया जाता है, जहां तांगखुल नागा समुदाय बहुसंख्यक है।

शिरुई लिली महोत्सव

- मणिपुर में एक वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें दुर्लभ और लुप्तप्राय शिरुई लिली का जश्न मनाया जाता है, जो केवल उखरुल जिले के शिरुई पहाड़ियों में पाई जाती है।
- मणिपुर के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह महोत्सव सांस्कृतिक विरासत, टिकाऊ पर्यटन और पारिस्थितिक संरक्षण को बढ़ावा देता है।

पृष्ठभूमि

- शिरुई लिली एक नाजुक गुलाबी-सफेद फूल है जो शिरुई पहाड़ियों में 8,500 फीट की ऊंचाई पर उगता है।
- इसकी खोज 1946 में ब्रिटिश वनस्पतिशास्त्री फ्रैंक किंगडन वार्ड की पत्नी जीन मैकलिन ने की थी।
- 1950 के लंदन फ्लावर शो में वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई।



शिरुई लिली

2025 में होने वाली घटनाएँ

- पारंपरिक तांगखुल नागा नृत्य, लोक गीत और आदिवासी खेल।
- आधुनिक कार्यक्रम जैसे शिराँक संगीत उत्सव, ट्रैकिंग, कैम्पिंग, बाइकिंग और शिरुई लिली ग्रांड प्रिक्स।
- सांस्कृतिक गतिविधियाँ: साहित्य महोत्सव, मिस शिरुई लिली प्रतियोगिता, ड्रोन शो, खाना पकाने की प्रतियोगिता और बुनाई प्रदर्शनी।

उखरुल गांव

- इम्फाल से 83 किमी दूर उखरुल मणिपुर का सबसे ऊंचा हिल स्टेशन है और तांगखुल नागा जनजाति का घर है।
- आकर्षण: कांगखुई चूना गुफाएं और लोंगपी गांव (औषधीय काले बर्तनों के लिए प्रसिद्ध)।

हिम तेंदुआ



चर्चा में क्यों ?

हाल ही में दार्जिलिंग के पद्मजा नायडू हिमालयन प्राणी उद्यान (पीएनएचजेडपी) में दो हिम तेंदुए के शावकों का जन्म हुआ, जिसने व्यापक ध्यान आकर्षित किया तथा वन्यजीव संरक्षण में चिड़ियाघर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

हिम तेंदुए के बारे में

- हिम तेंदुआ फेलिडे परिवार और पैंथेरा वंश से संबंधित है।
- इसे IUCN रेड लिस्ट में संवेदनशील श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।
- मध्य और दक्षिण एशिया की पर्वत श्रृंखलाओं का मूल निवासी।

- सबसे बड़ी आबादी तिब्बती पठार (चीन) में है, उसके बाद मंगोलिया और भारत का स्थान है।
- हिम तेंदुए के आवास वाले अन्य देशों में रूस, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान शामिल हैं।
- भारत में यह मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के ऊँचाई वाले, ठंडे, शुष्क और बीहड़ क्षेत्रों में पाया जाता है।



हिम तेंदुआ

पद्मजा नायडू हिमालयन

जूलॉजिकल पार्क (PNHNP)

- **स्थान:** दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल, भारत में स्थित है।
- यह भारत का सबसे बड़ा उच्च ऊँचाई वाला चिड़ियाघर है।
- चिड़ियाघर उन जानवरों के प्रजनन पर ध्यान केंद्रित करता है जो अल्पाइन वातावरण के अनुकूल हों।
- इसने हिम तेंदुए, लुप्तप्राय हिमालयी भेड़िये और लाल पांडा जैसी प्रजातियों के बंदी प्रजनन में सफलता प्राप्त की है।
- यह पार्क भारतीय केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के लाल पांडा संरक्षण कार्यक्रम के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- यह विश्व चिड़ियाघर एवं एक्वेरियम एसोसिएशन (WAZA) से संबद्ध है।

मिशन लाइफ



चर्चा में क्यों?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देने और व्यक्तिगत पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करके जलवायु कार्रवाई को बढ़ाने के लिए मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) को जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के साथ विलय करने के लिए तैयार है।

मिशन लाइफ के बारे में

- COP26 (2021) में भारत द्वारा शुरू किए गए मिशन LiFE का उद्देश्य व्यक्तिगत और सामुदायिक कार्रवाई के माध्यम से "उपयोग-और-निपटान" मॉडल से एक परिपत्र अर्थव्यवस्था में स्थानांतरित करना है।
- इसका समन्वय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ&सीसी) द्वारा किया जाता है।
- दैनिक जीवन में स्थायी जीवनशैली की आदतों को अपनाने के लिए जन आंदोलन को बढ़ावा देना।
- वैश्विक सहयोग और पारंपरिक जलवायु-अनुकूल प्रथाओं के एकीकरण पर जोर दिया गया।

एनएपीसीसी के बारे में

- एनएपीसीसी को 2008 में जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के लिए भारत की व्यापक रणनीति के रूप में शुरू किया गया था।
- इसमें विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने वाले 8 मुख्य मिशन शामिल हैं।
- प्रमुख मिशनों में सौर ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, जल, कृषि, हरित आवरण और शहरी स्थिरता जैसे क्षेत्र शामिल हैं।
- इसके अलावा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और जलवायु ज्ञान एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

4

भारतीय अर्थव्यवस्था

उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी)



चर्चा में क्यों ?

कैबिनेट समिति ने चीनी सीजन 2024-25 के लिए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को मंजूरी दी

एफआरपी (उचित एवं लाभकारी मूल्य) के बारे में

- **परिभाषा:** एफआरपी केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य है जिसे मिलों को गन्ना खरीद के लिए किसानों को देना होता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले।
- **कानूनी ढांचा:** गन्ना (नियंत्रण) आदेश 1966 केंद्र सरकार को गन्ने का एफआरपी निर्धारित करने और खरीद प्रक्रिया को विनियमित करने का अधिकार देता है।
- **सिफारिश का आधार:** एफआरपी का निर्धारण कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है, जो उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कारकों का आकलन करता है।
- **राज्य-विशिष्ट मूल्य:** उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड सहित कुछ राज्य अपना स्वयं का राज्य परामर्श मूल्य (एसएपी) निर्धारित करते हैं, जो अक्सर केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित एफआरपी से अधिक होता है। यह क्षेत्रीय मांग और उत्पादन लागत को दर्शाता है।

राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक 2025



चर्चा में क्यों ?

नीति आयोग द्वारा जारी राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक 2025 में भारतीय राज्यों को उनकी आय प्रबंधन, विकास व्यय और ऋण प्रबंधन के आधार पर रैंकिंग दी गई है।

राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) क्या है ?

राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) एक उपकरण है जिसका उपयोग भारतीय राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य का आकलन करने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए किया जाता है।

पैरामीटर

एफएचआई पांच प्रमुख उप-सूचकांकों के आधार पर राज्यों को रैंक करता है

- **व्यय की गुणवत्ता:** यह दीर्घकालिक विकास (विकासात्मक) और नियमित परिचालन (गैर-विकासात्मक) पर व्यय के साथ-साथ आर्थिक उत्पादन के सापेक्ष पूंजी निवेश के बीच संतुलन को मापता है।
- **राजस्व जुटाना:** किसी राज्य की स्वयं का राजस्व उत्पन्न करने और स्वतंत्र रूप से व्यय को कवर करने की क्षमता का मूल्यांकन करता है।
- **राजकोषीय विवेकशीलता:** आर्थिक उत्पादन के सापेक्ष राजकोषीय और राजस्व घाटे तथा उधारी के स्तर पर नज़र रखता है, जो राजकोषीय स्वास्थ्य का संकेत देता है।
- **ऋण सूचकांक:** राज्य के ऋण बोझ का आकलन करता है, तथा आर्थिक आकार के संबंध में ब्याज भुगतान और देनदारियों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **ऋण स्थिरता:** जीएसडीपी वृद्धि की तुलना ब्याज भुगतान से की जाती है, जिसमें सकारात्मक अंतर राजकोषीय स्थिरता को दर्शाता है।

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य

रैंक	राज्य
1	ओडिशा
2	छत्तीसगढ़
3	गोवा
4	झारखंड
5	गुजरात
6	महाराष्ट्र
7	उत्तर प्रदेश
8	तेलंगाना
9	मध्य प्रदेश
10	कर्नाटक

- **उद्देश्य:** एफएचआई का उद्देश्य राज्य स्तर पर सतत विकास, राजकोषीय समेकन और कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए सुधारों को

लागू करने में नीति निर्माताओं का मार्गदर्शन करना है। यह राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देता है, राजकोषीय रणनीतियों को राष्ट्रीय आर्थिक लक्ष्यों के साथ जोड़ता है।

नीति आयोग

- 1 जनवरी 2015 को स्थापित नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) ने योजना आयोग का स्थान लिया।
- यह भारत सरकार के नीति थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य समावेशी विकास, सहकारी संघवाद और सतत विकास को बढ़ावा देना है।
- **संघटन:**
 - ◆ अध्यक्ष: भारत के प्रधान मंत्री।
 - ◆ उपाध्यक्ष: प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त।
 - ◆ सदस्य: मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ।
 - ◆ सीईओ: दैनिक कार्यों का प्रबंधन करते हैं और भारत सरकार में सचिव के पद पर होते हैं।

राजकोषीय उत्तरदायित्व



खुदरा मुद्रास्फीति



चर्चा में क्यों ?

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल 2025 में छह वर्ष के निचले स्तर 3.16% पर आ जाएगी।

खुदरा मुद्रास्फीति

खुदरा मुद्रास्फीति या सीपीआई मुद्रास्फीति दैनिक उपयोग के लिए घरों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं की खुदरा कीमतों में परिवर्तन को मापती है।

- **सीपीआई का अर्थ:** जीवन-यापन की लागत, उपभोक्ता क्रय शक्ति, वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य स्तर तथा भारतीय रुपए के मूल्य में परिवर्तन को दर्शाता है।
- **सीपीआई की गणना:** सीपीआई वर्तमान वर्ष की कीमतों की तुलना आधार वर्ष (वर्तमान में 2012) में कीमतों के साथ निम्न सूत्र का उपयोग करके करता है:

$$\text{सीपीआई} = \left(\frac{\text{वर्तमान वर्ष में बास्केट की लागत}}{\text{आधार वर्ष में बास्केट की लागत}} \right) \times 100$$
- **डेटा स्रोत:** सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर ग्रामीण, शहरी और संयुक्त क्षेत्रों के लिए मासिक रूप से CPI की गणना और प्रकाशन करता है।

थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति



चर्चा में क्यों ?

भारत के थोक मूल्य सूचकांक (WPI) द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 1.26% पर पहुंच गई, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर है। ऐसा उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और ईंधन एवं बिजली की कीमतों में 1.4% की वार्षिक वृद्धि के कारण हुआ, जिससे इन क्षेत्रों में कई महीनों से जारी अपस्फीति समाप्त हो गई।

थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के बारे में

- WPI थोक विक्रेताओं द्वारा अन्य व्यवसायों को थोक में बेचे गए माल की कीमतों में परिवर्तन को ट्रैक करता है।
- इसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा मासिक आधार पर संकलित एवं प्रकाशित किया जाता है।
- यह सूचकांक किसी एक दिन के बजाय पूरे महीने के लिए औसत मूल्य स्तर का अनुमान दर्शाता है।
- विश्लेषक उद्योग, विनिर्माण और निर्माण जैसे क्षेत्रों में आपूर्ति-मांग की गतिशीलता को समझने के लिए WPI डेटा का उपयोग करते हैं।
- थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीतिकारी दबाव का संकेत देती है, जबकि गिरावट अपस्फीतिकारी प्रवृत्तियों का संकेत देती है।

- थोक मूल्य सूचकांक में माह-दर-माह होने वाला परिवर्तन थोक मुद्रास्फीति के स्तर को मापता है।

डब्ल्यूपीआई और उपभोक्ता मूल्य

सूचकांक (सीपीआई) के बीच अंतर:

- WPI केवल वस्तुओं के थोक मूल्यों को मापता है, जबकि CPI वस्तुओं और सेवाओं की एक टोकरी के लिए घरों द्वारा भुगतान की जाने वाली औसत खुदरा कीमतों को मापता है।
- WPI में सेवाएँ शामिल नहीं हैं, जबकि CPI में वस्तुएँ और सेवाएँ दोनों शामिल हैं।
- हालांकि WPI कई अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति का एक प्रमुख संकेतक बना हुआ है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अब इसका उपयोग मौद्रिक नीति निर्णयों जैसे कि रेपो दरें निर्धारित करने के लिए नहीं करता है। इसके बजाय, RBI इस पर निर्भर करता है

WPI की गणना कैसे की जाती है ?

- WPI की गणना वस्तुओं की एक निश्चित टोकरी के मूल्यों के भारित औसत के रूप में की जाती है, जिसमें कुल थोक व्यापार में प्रत्येक वस्तु की हिस्सेदारी के अनुसार भार निर्धारित किया जाता है।
- इस टोकरी में संबंधित भार के साथ तीन मुख्य समूह शामिल हैं:
 - ◆ प्राथमिक लेख (22.62%)
 - ◆ ईंधन और बिजली (13.15%)
 - ◆ निर्मित उत्पाद (64.23%)
- 2011-12 की WPI श्रृंखला कुल 697 वस्तुओं की कीमतों पर नज़र रखती है: 117 प्राथमिक वस्तुएँ, 16 ईंधन और बिजली वस्तुएँ, तथा 564 विनिर्मित वस्तुएँ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)



चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर के तत्काल वितरण को मंजूरी दी।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बारे में

- आईएमएफ संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जिसकी स्थापना 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में महामंदी के बाद वैश्विक मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने के लिए की गई थी।
- यह मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देता है, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाता है, उच्च रोजगार का समर्थन करता है, तथा विश्व भर में गरीबी को कम करने का लक्ष्य रखता है।
- आईएमएफ में 190 सदस्य देश हैं, जिनमें से प्रत्येक देश अपनी आर्थिक स्थिति के आधार पर एक कोटा प्रदान करता है, जो उनकी मतदान शक्ति और वित्तपोषण पहुंच को निर्धारित करता है।
- **मुख्यालय:** वाशिंगटन, डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका

भारत और आईएमएफ

- भारत स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले 27 दिसंबर 1945 को आईएमएफ का सदस्य बना था।
- यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के संस्थापक सदस्यों में से एक है।
- आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक अपने निर्वाचन क्षेत्र में बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।



ब्लैक होल बम



चर्चा में क्यों ?

शोधकर्ताओं ने "ब्लैक होल बम" का पहला प्रयोगशाला अनुरूप सफलतापूर्वक निर्माण किया है, यह अवधारणा सर्वप्रथम 1971 में भौतिक विज्ञानी याकोव ज़ेलडोविच द्वारा प्रस्तावित की गई थी।

ब्लैक होल बम के बारे में

- **अवधारणा:** ब्लैक होल बम अवधारणा एक घूमते हुए ब्लैक होल के एर्गोस्फीयर (घटना क्षितिज के ठीक बाहर का क्षेत्र) की घूर्णन ऊर्जा का उपयोग करती है। इस क्षेत्र में, तीव्र घूर्णन आस-पास के कणों को बढ़ाता है, जिससे महत्वपूर्ण ऊर्जा निकलती है।
- **प्रक्रिया:** ज़ेलडोविच ने एक तेज गति से घूमने वाले सिलेंडर की कल्पना की थी, जो तरंगों से टकराने पर उन्हें वापस उछलने पर और भी मजबूत बना देगा। यह प्रक्रिया घूर्णी गतिशीलता का उपयोग करके ऊर्जा प्रवर्धन के विचार को प्रदर्शित करती है।
- **ज़ेलडोविच प्रभाव:** ज़ेलडोविच प्रभाव के नाम से जानी जाने वाली घटना तब होती है जब कोई घूमती हुई वस्तु आने वाली तरंगों की तुलना में तेज गति से चलती है, जिससे तरंगों में डॉपलर प्रभाव के समान बदलाव होता है। हालाँकि, डॉपलर प्रभाव के विपरीत, यह बदलाव वस्तु के घूमने के कारण होता है न कि अंतरिक्ष में उसकी गति के कारण।

माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए)



चर्चा में क्यों ?

वैज्ञानिकों ने एक छोटे अणु, पीजेडएल-ए की खोज की है, जो एक प्रमुख माइटोकॉन्ड्रियल एंजाइम को लक्षित करता है, तथा यह माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए) में उत्परिवर्तन के कारण होने वाले दुर्लभ वंशानुगत विकारों के लिए संभावित उपचार प्रदान करता है।

माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए) के बारे में

- **स्थान:** एमटीडीएनए एक गोलाकार गुणसूत्र है जो माइटोकॉन्ड्रिया के अंदर स्थित होता है, जो कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादक अंग है।

- **एमटीडीएनए की अनूठी विशेषताएं:**

- ◆ **स्वयं का डीएनए:** माइटोकॉन्ड्रिया कोशिकाओं में एकमात्र कोशिकांग है, जिसमें नाभिकीय डीएनए से अलग, अपना स्वयं का आनुवंशिक पदार्थ होता है।
- ◆ **मातृ वंशागति:** mtDNA केवल माता से ही प्राप्त होता है, पिता से नहीं।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना



चर्चा में क्यों ?

तेलंगाना सरकार ने न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग का कार्यकाल दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह आयोग कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज को हुए नुकसान की जांच कर रहा है। यह आयोग 1 जुलाई से 31 अगस्त तक कार्य करेगा।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के बारे में

- कालेश्वरम परियोजना तेलंगाना के भूपालपल्ली में गोदावरी नदी पर एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई योजना है।
- यह हैदराबाद और सिकंदराबाद सहित तेलंगाना के 31 जिलों में से 20 जिलों में लगभग 45 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई और पीने के लिए पानी उपलब्ध कराता है।
- यह विश्व की सबसे बड़ी बहु-चरणीय लिफ्ट सिंचाई परियोजना है।
- परियोजना का सबसे दूरस्थ बिंदु प्राणहिता और गोदावरी नदियों के संगम पर है।
- प्राणहिता नदी वर्धा, पैनगंगा और वैनगंगा जैसी छोटी सहायक नदियों से बनती है, जो मिलकर भारतीय उपमहाद्वीप में सातवां सबसे बड़ा जल निकासी बेसिन बनाती हैं।
- इस परियोजना में सात लिंक और 28 पैकेज हैं, जो 13 जिलों में लगभग 500 किलोमीटर तक फैले हैं।
- इसका नहर नेटवर्क 1,800 किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- इस परियोजना का लक्ष्य 240 टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) पानी की आपूर्ति करना है।

- यह पानी सिंचाई, हैदराबाद में नगरपालिका जल आपूर्ति, औद्योगिक उपयोग और आसपास के गांवों के लिए पेयजल के लिए आवंटित किया जाता है।

रेबीज



चर्चा में क्यों ?

केरल में तीन बच्चों की रेबीज के कारण मृत्यु हो गई, जबकि उन्हें रेबीज का टीका लगाया गया था। इससे टीके की प्रभावशीलता और रेबीज के बारे में बेहतर निवारक उपायों और जागरूकता की आवश्यकता पर चिंताएँ बढ़ गई हैं।

रेबीज के बारे में

- रेबीज एक टीका-निवारणीय, जूनोटिक वायरल रोग है, जो कुत्तों, बिल्लियों और बंदरों जैसे संक्रमित जानवरों की लार में पाए जाने वाले आरएनए वायरस के कारण होता है।
- यह रोग आमतौर पर संक्रमित जानवर के काटने से फैलता है, जो लार के माध्यम से वायरस को घाव में पहुंचाता है।
- एक बार नैदानिक लक्षण प्रकट होने पर, रेबीज लगभग हमेशा घातक होता है, तथा आम तौर पर हृदय-श्वसन विफलता के कारण 4 दिन से 2 सप्ताह के भीतर मृत्यु हो जाती है।
- मनुष्यों में रेबीज के 99% संक्रमण के लिए घरेलू कुत्ते जिम्मेदार हैं। ऊष्मायन अवधि आम तौर पर 2-3 महीने तक चलती है, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह एक सप्ताह से लेकर एक साल या उससे ज्यादा तक हो सकती है।
- रोकथाम:** पालतू जानवरों का टीकाकरण, वन्यजीवों के संपर्क से बचना, तथा संभावित संपर्क के बाद तत्काल चिकित्सा देखभाल प्राप्त करना, विशेष रूप से लक्षण उभरने से पहले, रेबीज को रोका जा सकता है।
- लक्षण:** रेबीज के शुरुआती लक्षण फ्लू जैसे हो सकते हैं और कई दिनों तक बने रह सकते हैं। इन लक्षणों में शामिल हैं: बुखार, सिरदर्द, मतली और उल्टी, चिंता, अति सक्रियता, निगलने में कठिनाई, अत्यधिक लार आना, मतिभ्रम और अनिद्रा।

निपाह वायरस



चर्चा में क्यों ?

केरल के मलप्पुरम जिले में निपाह वायरस के एक मामले की पुष्टि हुई है।

निपाह वायरस (NiV) क्या है ?

- यह एक जूनोटिक वायरस है, अर्थात यह जानवरों से मनुष्यों में फैलता है।
- संक्रमण दूषित भोजन या संक्रमित व्यक्तियों के सीधे संपर्क के माध्यम से भी हो सकता है।

वायरस की विशेषताएँ

- निपाह वायरस एक आरएनए वायरस है।
- यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार, हेनिपावायरस जीनस से संबंधित है।
- हेंड्रा वायरस से निकट सम्बन्ध।

प्राकृतिक मेजबान और संचरण

- फल चमगादड़ (जीनस टेरोपस) प्राथमिक प्राकृतिक मेजबान हैं।
- यह वायरस उनके मूत्र, मल, लार और प्रसव द्रव्य में मौजूद होता है।
- यह रोग सूअर, कुत्ते, बिल्ली, बकरी, घोड़े और भेड़ जैसे पालतू पशुओं में भी पाया गया है।
- मृत्यु दर:** मामले में मृत्यु दर 40% से 75% के बीच होती है।

निदान विधियाँ

- शरीर के तरल पदार्थों से आरटी-पीसीआर (रियल-टाइम पॉलीमरेज चेन रिएक्शन)
- एंटीबॉडी का पता लगाने के लिए एलिसा (एंजाइम-लिंकड इम्यूनोसॉर्बेंट परख)

रोकथाम और उपचार

- फिलहाल, मनुष्यों या पशुओं के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है।
- सहायक देखभाल ही एकमात्र उपचार है।
- वैश्विक चिंता:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने निपाह वायरस को इसकी महामारी क्षमता और उपचार की कमी के कारण प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में सूचीबद्ध किया है।



ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण केंद्र



चर्चा में क्यों ?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन सुविधा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया, जो रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

ब्रह्मोस मिसाइल के बारे में

- **प्रकार:** सुपरसोनिक कूज मिसाइल
- **विकसितकर्ता:** ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के बीच एक संयुक्त उद्यम
- **प्रक्षेपण क्षमता:** भूमि, समुद्र और वायु आधारित
- **मार्गदर्शन प्रणाली:** फायर-एंड-फॉरगेट

ब्रह्मोस मिसाइल

अगली पीढ़ी का ब्रह्मोस

- **वजन:** 1,290 किग्रा (2,900 किग्रा से कम)
- **हवाई क्षमता:** सुखोई विमान 1 की जगह 3 मिसाइल ले जा सकता है
- **उत्पादन तत्परता:** एक वर्ष के भीतर वितरित होने की उम्मीद है

क्लाउड सीडिंग



चर्चा में क्यों ?

दिल्ली आईआईटी-कानपुर की विशेषज्ञता के साथ पांच क्लाउड-सीडिंग परीक्षण करेगी।

क्लाउड सीडिंग

- यह एक मौसम संशोधन तकनीक है जिसका उपयोग सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम आयोडाइड या शुष्क बर्फ जैसे रसायनों को बादलों में फैलाकर वर्षा को बढ़ाने के लिए किया जाता है।
- ये रसायन नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, जो जल की बूंदों के निर्माण में सहायता करते हैं तथा वर्षा का कारण बनते हैं।
- यह तकनीक बादलों में बर्फ के क्रिस्टल बनाने में मदद करती है, जिससे कृत्रिम वर्षा हो सकती है।
- इसे गंभीर वायु प्रदूषण, विशेषकर उच्च AQI अवधि के दौरान, से निपटने के लिए एक संभावित विधि के रूप में खोजा जा रहा है।

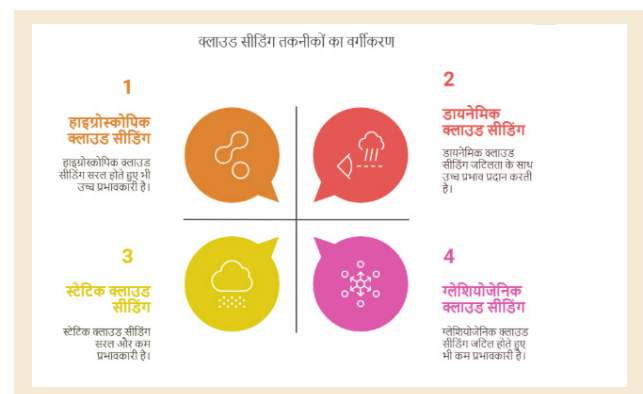
क्लाउड सीडिंग के प्रकार:

- **स्टेटिक क्लाउड सीडिंग:** इसमें सिल्वर आयोडाइड या सूखी बर्फ जैसे बर्फ के नाभिक को ठंडे बादलों में डाला जाता है, जिसमें सुपरकूल्ड लिक्विड बूंदें होती हैं। ये नाभिक बर्फ के क्रिस्टल या बर्फ के टुकड़ों के निर्माण को उत्तेजित करते हैं, जो बढ़ते हैं और वर्षा के रूप में गिरते हैं।
- **डायनेमिक क्लाउड सीडिंग:** यह अधिक जटिल तकनीक वर्षा के बादलों के निर्माण और विकास को बढ़ावा देकर वर्षा को प्रोत्साहित करने के लिए ऊर्ध्वाधर वायु धाराओं को बढ़ाती है। इसे प्रभावी ढंग से काम करने के लिए घटनाओं के एक क्रम की आवश्यकता होती है।
- **हाइग्रोस्कोपिक क्लाउड सीडिंग:** लवण जैसे हाइग्रोस्कोपिक पदार्थों के बारीक कणों को फ्लेयर्स या विस्फोटकों का उपयोग करके गर्म बादलों के आधार पर छिड़का जाता है। ये कण बादल संघनन नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे बादल की बूंदों का आकार और संख्या बढ़ जाती है, जिससे बादलों की परावर्तकता और स्थिरता बढ़ जाती है।
- **ग्लेशियोजेनिक क्लाउड सीडिंग:** इस विधि में सिल्वर आयोडाइड या शुष्क बर्फ जैसे बर्फ के नाभिकों को अतिशीतित बादलों में फैलाया जाता है, जिससे बर्फ का निर्माण होता है, जिससे वर्षा होती है।

क्लाउड सीडिंग तकनीकों के प्रकार

क्लाउड सीडिंग के अनुप्रयोग: क्लाउड सीडिंग का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जाता है:

- शीतकालीन बर्फबारी को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्वतीय बर्फ की परतों में वृद्धि होगी, जिससे जल आपूर्ति को बढ़ावा मिलेगा।
- ओलावृष्टि को रोकें और कोहरे को खत्म करें।
- सूखाग्रस्त क्षेत्रों में वर्षा को प्रेरित करें।
- वायुमंडल से प्रदूषकों को हटाने के लिए वर्षा को बढ़ाकर वायु प्रदूषण को कम करें।



टीबी मुक्त भारत



चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति तथा टीबी उपचार एवं निदान में हुई प्रगति का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) पर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

क्षय रोग (टीबी) के बारे में

- **परिभाषा:** क्षय रोग (टीबी) एक जीवाणु संक्रमण है जो मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाली बूंदों के माध्यम से फैलता है।
- **गंभीरता:** टीबी एक संभावित गंभीर स्थिति है; हालांकि, उचित एंटीबायोटिक दवाओं से इसका इलाज संभव है।

टीबी के प्रकार

- **फुफ्फुसीय टीबी**
 - ◆ यह फेफड़ों को प्रभावित करता है और टीबी का सबसे संक्रामक रूप है।
 - ◆ यह आमतौर पर संक्रमित व्यक्ति के साथ लम्बे समय तक संपर्क में रहने के बाद ही फैलता है।
 - ◆ कई स्वस्थ व्यक्तियों में, प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया को प्रभावी ढंग से मार देती है, जिसके परिणामस्वरूप कोई लक्षण उत्पन्न नहीं होते।
- **सुप्त टीबी**
 - ◆ यह तब होता है जब प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया को पूरी तरह से मारने में विफल हो जाती है लेकिन इसके प्रसार को रोकती है।
 - ◆ सुप्त टीबी से पीड़ित लोगों में लक्षण नहीं दिखते और वे दूसरों के लिए संक्रामक नहीं होते।
 - ◆ बैक्टीरिया शरीर में बना रहता है, जो बाद में सक्रिय टीबी के रूप में विकसित हो सकता है, विशेषकर यदि प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाए।
- **सक्रिय टीबी**
 - ◆ ऐसा तब होता है जब प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया को रोक नहीं पाती, जिसके कारण यह फेफड़ों या शरीर के अन्य भागों में फैल जाता है, जिससे लक्षण उत्पन्न होते हैं।
 - ◆ टीबी बैक्टीरिया से संक्रमित लगभग 5-15% व्यक्तियों में सक्रिय टीबी विकसित हो जाती है।
 - ◆ सुप्त टीबी सक्रिय टीबी में परिवर्तित हो सकती है, विशेष रूप से यदि प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो।

टीबी का उपचार

- उचित उपचार से टीबी लगभग हमेशा ठीक हो जाती है।
- आमतौर पर एंटीबायोटिक दवाओं का 6 से 18 महीने का कोर्स आवश्यक होता है, तथा कई एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि टीबी के कुछ प्रकार कुछ दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते हैं।

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम

कार्यक्रम का लक्ष्य 2025 तक टीबी को खत्म करना है, जो सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 से पांच साल पहले है। एक रणनीतिक योजना (2017-2025) पेश की गई, जिसके बाद उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तपेदिक उन्मूलन के लिए एक नई राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2020-2025) पेश की गई।

भारत का पहला गैर-इनवेसिव रक्त परीक्षण उपकरण



चर्चा में क्यों ?

हैदराबाद स्थित निलोफर अस्पताल ने भारत की पहली एआई-संचालित, सुई-रहित रक्त परीक्षण तकनीक प्रस्तुत की है, जो एक मिनट से भी कम समय में परिणाम देने में सक्षम है।

मुख्य बातें

- हैदराबाद स्थित निलोफर अस्पताल भारत में एआई-संचालित, सुई-रहित रक्त परीक्षण उपकरण का उपयोग करने वाला पहला अस्पताल बन गया।
- अमृत स्वस्थ भारत नामक इस टूल को हेल्थ-टेक स्टार्टअप क्विक वाइटल्स द्वारा विकसित किया गया है।
- यह उन्नत फेस-स्कैनिंग तकनीक का उपयोग करके, बिना कोई रक्त निकाले, मात्र 20 से 60 सेकंड में रक्त परीक्षण के परिणाम प्रदान करता है।
- यह रक्तचाप और ऑक्सीजन संतृप्ति जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों को भी मापता है, जिससे यह एक गैर-आक्रामक और तेज निदान पद्धति बन जाती है।

भार्गवस्त्र काउंटर स्वार्म ड्रोन



चर्चा में क्यों ?

भारत की स्वदेशी 'भार्गवस्त्र' काउंटर-स्वार्म ड्रोन प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

भार्गवस्त्र के बारे में

- सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएल) ने हार्ड किल मोड में 'भार्गवस्त्र' नामक एक नया कम लागत वाला काउंटर ड्रोन सिस्टम डिजाइन और विकसित किया है।
- भार्गवस्त्र को एक साथ कई ड्रोनों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह सूक्ष्म रॉकेटों का उपयोग करके, आने वाले ड्रोनों, विशेष रूप से झुंड में उड़ने वाले ड्रोनों को सटीक निशाना बनाकर उन्हें निष्क्रिय कर देता है।
- एसडीएल के अनुसार, यह तकनीक विशेष रूप से संवेदनशील या विवादित क्षेत्रों में ड्रोन घुसपैठ के खिलाफ भरोसेमंद सुरक्षा प्रदान करती है।

बायोलम्पिक्वैक्सिन



चर्चा में क्यों ?

भारत बायोटेक ने गांठदार त्वचा रोग से निपटने के लिए एक नया टीका बायोलम्पिक्वैक्सिन लॉन्च किया है।

गांठदार त्वचा रोग के बारे में

- यह एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से मवेशियों और कुछ हद तक भैंसों को प्रभावित करता है।
- **कारक:** यह रोग डेलेदार त्वचा रोग वायरस के कारण होता है, जो पोक्सविरिडे परिवार के कैप्रिपोक्सवायरस वंश से संबंधित है।
- **लक्षण:** इसके परिणामस्वरूप बुखार होता है और त्वचा पर गांठें पड़ जाती हैं, जो कभी-कभी घातक भी हो सकती हैं।
- **संचरण का तरीका:** यह वायरस रक्त-चूसने वाले कीटों जैसे मक्खियों, मच्छरों और टिक्स की कुछ प्रजातियों के माध्यम से फैलता है।

लासा बुखार का प्रकोप



चर्चा में क्यों ?

अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश नाइजीरिया में लासा बुखार के प्रकोप से इस वर्ष की शुरुआत से अब तक मरने वालों की संख्या 138 तक पहुंच गई है।

लासा बुखार क्या है ?

- **रोग के बारे में**
 - ◆ लासा बुखार एक वायरस के कारण होता है जो 1969 में नाइजीरिया के लासा में पाया गया था।

- ◆ यह सिएरा लियोन, लाइबेरिया, गिनी और नाइजीरिया जैसे पश्चिमी अफ्रीकी देशों में स्थानिक है।
- ◆ यह वायरस मुख्य रूप से मैस्टोमिस चूहों (जिन्हें मल्टीमैमेट चूहे भी कहा जाता है) द्वारा फैलता है।
- ◆ कुल मृत्यु दर लगभग 1% है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए यह अधिक है, विशेषकर तीसरी तिमाही में।
- ◆ लगभग 80% संक्रमण लक्षणविहीन होते हैं, अर्थात् अधिकांश लोगों में लक्षण नहीं दिखते और उनका निदान नहीं हो पाता।

संचरण का तरीका

- यह रोग जूनोटिक है - यह चूहों से मनुष्यों में चूहे के मूत्र या मल से दूषित भोजन या घरेलू वस्तुओं के माध्यम से फैलता है।
- मानव-से-मानव में संक्रमण दुर्लभ है, लेकिन संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थ या आंख, नाक या मुंह के संपर्क के माध्यम से संभव है।
- **उपचार:** रिबाविरिन, एक एंटीवायरल दवा है, जिसे बीमारी के दौरान जल्दी दिया जाए तो प्रभावी माना जाता है।



हैजा का टीका



चर्चा में क्यों ?

भारत बायोटेक ने अपने नए मौखिक हैजा वैक्सीन, हिलकोल के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

मुख्य बातें

- हिलॉक वयस्कों और बच्चों में ओगावा और इनाबा दोनों प्रकार के हैजा सीरोटाइप से सुरक्षा प्रदान करता है, तथा इसकी मजबूत सुरक्षा और प्रभावशीलता प्रदर्शित करता है।
- यह टीका विशेष रूप से जलजनित बीमारियों से जूझ रहे निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण है, जो कठोर शोध के आधार पर किफायती, विश्वसनीय टीके उपलब्ध कराने की भारत बायोटेक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हैजा के बारे में

- हैजा एक गंभीर दस्त रोग है जो विब्रियो कोलेरी नामक जीवाणु से संदूषित भोजन या पानी के सेवन से होता है।
- इससे तीव्र दस्त और निर्जलीकरण होता है और यदि उपचार न किया जाए तो यह कुछ ही घंटों में घातक हो सकता है, यहां तक कि स्वस्थ व्यक्तियों के लिए भी।
- हैजा मुख्य रूप से खराब स्वच्छता, भीड़भाड़, युद्ध, अकाल और गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में होता है। सभी के लिए स्वच्छ पानी, उचित स्वच्छता और अच्छी स्वच्छता सुनिश्चित करके इसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और इसे रोका जा सकता है।

उपचार

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वीकृत हैजा के टीकों में डुकोरल, शांचोल और यूविचोल-प्लस शामिल हैं, इन सभी को पूर्ण सुरक्षा के लिए दो खुराक की आवश्यकता होती है। उपचार में शामिल हैं:

- पुनर्जलीकरण चिकित्सा (मौखिक या अंतःशिरा)
- गंभीरता को कम करने के लिए एंटीबायोटिक्स
- बच्चों के स्वास्थ्य लाभ के लिए जिंक की खुराक

पीएसएलवी रॉकेट



चर्चा में क्यों ?

भारत के मुख्य रॉकेट पीएसएलवी में उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद समस्या उत्पन्न हो गई और यह पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-09 को इच्छित कक्षा में स्थापित करने में असफल रहा।

ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी)

- पीएसएलवी भारत का तीसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान है और द्रव चरण वाला पहला भारतीय रॉकेट है।
- यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित एक स्वदेशी निर्मित प्रक्षेपण प्रणाली है।
- पहला सफल प्रक्षेपण अक्टूबर 1994 में हुआ, जिसके बाद पीएसएलवी भारत के लिए एक भरोसेमंद और अनुकूलनीय कार्य-अस्त्र बन गया।
- इसने कई भारतीय और विदेशी उपग्रहों को प्रक्षेपित किया है।
- उल्लेखनीय रूप से, इसने चंद्रमा के लिए चंद्रयान-1 (2008) और मंगल ग्रह के लिए मार्स ऑर्बिटर अंतरिक्ष यान (2013) प्रक्षेपित किया।

विशिष्ट विशेषताएं

- पीएसएलवी एक व्यवयोग्य प्रक्षेपण यान है जो निम्नलिखित को स्थापित कर सकता है:
 - ◆ सुदूर संवेदन उपग्रहों को सूर्य-समकालिक कक्षा (एसएसओ) में स्थापित करना
 - ◆ छोटे अंतरिक्ष यान को भूस्थिर स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में भेजा गया
- यह अपनी बहु-उपग्रह प्रक्षेपण क्षमता के लिए दुनिया भर में जाना जाता है और इसे एक विश्वसनीय, अनुकूलनीय और लागत प्रभावी लांचर के रूप में देखा जाता है।
- पीएसएलवी ने भारत की पहली अंतरिक्ष वेधशाला एस्ट्रोसैट का भी प्रक्षेपण किया।
- **कक्षा क्षमताएँ:** पीएसएलवी निम्नलिखित उपग्रहों को प्रक्षेपित कर सकता है:
 - ◆ LEO (निम्न पृथ्वी कक्षा)
 - ◆ उप-जीटीओ (उप-भूस्थिर स्थानांतरण कक्षा)
 - ◆ जीटीओ (जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट)



पीएसएलवी

आईएनएसवी कौंडिन्य



चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना ने हाल ही में कारवार स्थित नौसेना बेस पर आयोजित एक औपचारिक समारोह के दौरान एक सिले हुए पाल जहाज, आईएनएसवी कौंडिन्य को नौसेना में शामिल किया और उसका नामकरण किया।

आईएनएसवी कौंडिन्य: मुख्य विशेषताएं

- **ऐतिहासिक पुनर्निर्माण:** आईएनएसवी कौंडिन्य एक सिली हुई पाल वाली जहाज है, जिसे अजंता गुफाओं के चित्रों में दर्शाए गए 5वीं

शताब्दी के जहाज के आधार पर बनाया गया है, जो भारत की प्राचीन समुद्री विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

- **परियोजना सहयोग:** संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और मेसर्स होदी इनोवेशन के बीच एक समझौते के माध्यम से जुलाई 2023 में शुरू किया गया, जिसमें संस्कृति मंत्रालय से वित्त पोषण प्राप्त हुआ। निर्माण कार्य सितंबर 2023 में शुरू हुआ, जिसमें मास्टर शिपराइट श्री बाबू शंकरन के नेतृत्व में केरल के कुशल कारीगरों द्वारा पारंपरिक सिलाई तकनीकों का उपयोग किया गया।
- **निर्माण और डिजाइन:** लकड़ी के तख्तों को काँयर रस्सी, नारियल फाइबर और प्राकृतिक राल का उपयोग करके सिल दिया गया था। भारतीय नौसेना ने हाइड्रोडायनामिक परीक्षण के लिए आईआईटी मद्रास के साथ सहयोग करते हुए डिजाइन और तकनीकी सत्यापन का नेतृत्व किया, क्योंकि ऐसे जहाजों के लिए कोई मूल ब्लूप्रिंट मौजूद नहीं है।
- **सांस्कृतिक महत्व:** इस जहाज के पालों पर गंडभेरुंड और सूर्य जैसी आकृतियाँ, धनुष पर एक मूर्तिकला सिम्हा यली और डेक पर हड़प्पा शैली का पत्थर का लंगर अंकित है, जो भारत की समृद्ध समुद्री परंपराओं को दर्शाता है।
- **भावी मिशन:** आईएनएसवी कौंडिन्य, जो अभी कारवार में स्थित है, इस वर्ष के अंत में गुजरात से ओमान तक के प्राचीन व्यापार मार्ग का पता लगाते हुए एक पार-महासागरीय यात्रा पर निकलेगा।



आईएनएसवी कौंडिन्य

एक्सओम 4 मिशन



चर्चा में क्यों ?

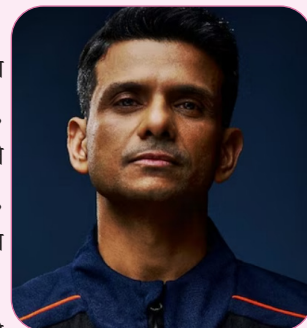
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सओम-4 (एक्स-4) मिशन के तहत दो आउटरीच कार्यक्रमों की योजना बना रहे हैं।

एक्सओम 4 मिशन के बारे में

- **प्रक्षेपण स्थान:** फ्लोरिडा में नासा का कैंनेडी अंतरिक्ष केंद्र
- भारतीय वायु सेना के शुभांशु शुक्ला, एक्सओम 4 मिशन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री के रूप में इतिहास रचने जा रहे हैं।
- **प्रक्षेपण की तिथि:** 8 जून 2025
- एक्सओम मिशन 4 (एक्स-4) अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक निजी अंतरिक्ष उड़ान है, जिसका आयोजन एक्सओम स्पेस द्वारा किया गया है, जो अंतरिक्ष अवसंरचना में विशेषज्ञता रखने वाली एक अमेरिकी कंपनी है।
- इस मिशन में स्पेसएक्स के पुनः प्रयोज्य क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान का उपयोग किया गया है, जिसे अंतरिक्ष यात्रियों को आई.एस.एस. तक लाने-ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह एक्सओम मिशन 1, 2 और 3 के बाद नासा के साथ साझेदारी में चौथा मिशन है।

शुभांशु शुक्ला के बारे में

- 1985 में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुक्ला एक अनुभवी भारतीय वायु सेना पायलट हैं, जिनके पास 2,000 से अधिक उड़ान घंटों का अनुभव है।
- 2019 में इसरो द्वारा चयनित होने के बाद, उन्होंने भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन, गगनयान के लिए रूस में प्रशिक्षण लिया।
- 2024 में, पीएम मोदी ने उन्हें 2025 में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सओम मिशन 4 के पायलट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की।



इसरो के बारे में

- अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना 15 अगस्त, 1969 को राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास और अनुप्रयोग हेतु की गई थी।
- भारत के अंतरिक्ष प्रयासों की शुरुआत 1962 में डॉ. विक्रम साराभाई के नेतृत्व में INCOSPAR के साथ हुई, और इसमें 1963 में थुम्बा से पहला साउंडिंग रॉकेट प्रक्षेपित करना भी शामिल था।
- इसके बाद से इसरो ने संचार, प्रसारण और मौसम संबंधी सेवाओं के लिए प्रमुख अंतरिक्ष प्रणालियों का निर्माण किया है, और यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त, लागत प्रभावी अंतरिक्ष एजेंसी बन गयी है।

नासा के बारे में

- राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) की स्थापना 1958 में शीत युद्ध के दौरान एक नागरिक एजेंसी के रूप में की गई थी, जिसका गठन सोवियत संघ के स्पुतनिक प्रक्षेपणों के जवाब में अमेरिकी अंतरिक्ष अन्वेषण और एयरोस्पेस अनुसंधान का नेतृत्व करने के लिए किया गया था।
- एजेंसी का मुख्य लक्ष्य अंतरिक्ष के बारे में मानव ज्ञान को बढ़ाना, उपकरणों और अंतरिक्ष यात्रियों के लिए अंतरिक्ष वाहन विकसित करना और वैज्ञानिक प्रगति के लिए वैश्विक स्तर पर सहयोग करना है।
- पिछले छह दशकों में, नासा ने कई मिशन सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नवाचार को आगे बढ़ाया है तथा प्रमुख वैज्ञानिक प्रश्नों का अन्वेषण जारी रखा है।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना



चर्चा में क्यों ?

तेलंगाना सरकार ने न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग का कार्यकाल दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह आयोग कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मेदिगिडा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज को हुए नुकसान की जांच कर रहा है। यह आयोग 1 जुलाई से 31 अगस्त तक कार्य करेगा।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के बारे में

- कालेश्वरम परियोजना तेलंगाना के भूपालपल्ली में गोदावरी नदी पर एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई योजना है।
- यह हैदराबाद और सिकंदराबाद सहित तेलंगाना के 31 जिलों में से 20 जिलों में लगभग 45 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई और पीने के लिए पानी उपलब्ध कराता है।
- यह विश्व की सबसे बड़ी बहु-चरणीय लिफ्ट सिंचाई परियोजना है।
- परियोजना का सबसे दूरस्थ बिंदु प्राणहिता और गोदावरी नदियों के संगम पर है।
- प्राणहिता नदी वर्धा, पैनगंगा और वैनगंगा जैसी छोटी सहायक नदियों से बनती है, जो मिलकर भारतीय उपमहाद्वीप में सातवां सबसे बड़ा जल निकासी बेसिन बनाती हैं।
- इस परियोजना में सात लिंक और 28 पैकेज हैं, जो 13 जिलों में लगभग 500 किलोमीटर तक फैले हैं।
- इसका नहर नेटवर्क 1,800 किलोमीटर तक फैला हुआ है।
- इस परियोजना का लक्ष्य 240 टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) पानी की आपूर्ति करना है।
- यह पानी सिंचाई, हैदराबाद में नगरपालिका जल आपूर्ति, औद्योगिक उपयोग और आसपास के गांवों के लिए पेयजल के लिए आवंटित किया जाता है।



रम्माण महोत्सव



चर्चा में क्यों ?

यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में सूचीबद्ध रम्माण महोत्सव उत्तराखंड में मनाया जा रहा है।

रम्माण महोत्सव के बारे में

- **वार्षिक उत्सव की अवधि:** यह त्यौहार प्रतिवर्ष फसल कटाई के बाद अप्रैल के अंत में उत्तराखंड में स्थित सलूर-डुंगरा नामक जुड़वां गांवों में मनाया जाता है।

धार्मिक महत्व

- यह त्यौहार स्थानीय देवता भूमिया देवता के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्हें गांव का संरक्षक माना जाता है।
- इस त्यौहार में जटिल अनुष्ठान शामिल होते हैं, जैसे महाकाव्य रामायण के एक संस्करण का पाठ।
- प्रदर्शनों में पारंपरिक गीत और मुखौटा नृत्य शामिल होते हैं जिनका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व होता है।
- इस उत्सव का एक प्रमुख पहलू जागर गायन है, जो स्थानीय किंवदंतियों और कहानियों का संगीतमय प्रस्तुतीकरण है, जो क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहास के संरक्षण में योगदान देता है।



रम्माण महोत्सव का आयोजन

महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध



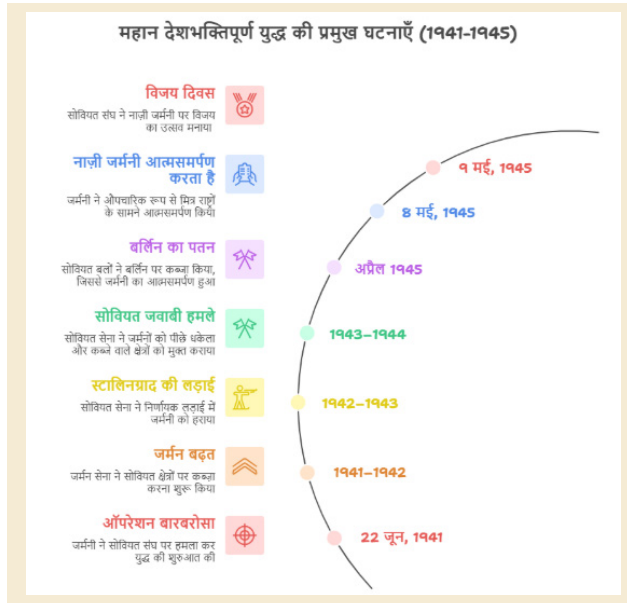
चर्चा में क्यों ?

- रूस 9 मई, 2025 को द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ मनाएगा, जिसे स्थानीय रूप से “महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध” के रूप में जाना जाता है।

समारोह स्थल 2025: मास्को में रेड स्क्वायर पर वैश्विक ध्यान रहेगा, यद्यपि पश्चिमी नेता विशेष रूप से अनुपस्थित रहेंगे।

“महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध” का ऐतिहासिक संदर्भ

- **“देशभक्तिपूर्ण युद्ध” की उत्पत्ति:** यह शब्द मूल रूप से रूस की 1812 में नेपोलियन के विरुद्ध लड़ाई को संदर्भित करता था, जिसमें लोगों के सामूहिक प्रतिरोध पर प्रकाश डाला गया था।
- **ऑपरेशन बारबारोसा (1941):** 22 जून को जर्मनी ने सोवियत संघ पर आक्रमण किया, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध में महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध की शुरुआत हुई।
- **जर्मन उन्नति (1941-1942):** जर्मन सेनाओं ने यूक्रेन और स्टेलिनग्राद सहित सोवियत क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया।
- **स्टेलिनग्राद की लड़ाई (1942-1943):** सोवियत सेनाओं ने जर्मनी को निर्णायक रूप से पराजित किया, जो युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।
- **सोवियत जवाबी हमले (1943-1944):** सोवियत ने जर्मन सेनाओं को पीछे धकेल दिया और कब्जे वाले क्षेत्रों को मुक्त कराना शुरू कर दिया।
- **बर्लिन का पतन (1945):** सोवियत सेनाओं ने अप्रैल में बर्लिन पर कब्जा कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप 8 मई 1945 को नाजी जर्मनी ने आत्मसमर्पण कर दिया।
- **विजय दिवस (9 मई, 1945):** सोवियत संघ ने जीत का जश्न मनाया। 9 मई के अपने भाषण में, जोसेफ स्टालिन ने नाजी जर्मनी पर जीत हासिल करने में सोवियत लोगों के सामूहिक प्रयास और कष्ट को स्वीकार किया।
- **“महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध” शीर्षक:** शीर्षक ने राष्ट्रीय एकता और बलिदान पर जोर दिया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोवियत लोगों के सामूहिक प्रतिरोध और दृढ़ संकल्प का प्रतीक था।



बुद्ध धर्म



चर्चा में क्यों?

बुद्ध पूर्णिमा चंद्र कैलेंडर के अनुसार वैशाख महीने की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, ग्रेगोरियन कैलेंडर में हर साल इसकी तिथि बदलती रहती है। 2025 में बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को मनाई जाएगी।

बुद्ध धर्म

बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भारत में 2,600 वर्ष पहले एक परिवर्तनकारी जीवन शैली के रूप में हुई थी, जिसमें व्यक्तियों के जीवन को बदलने की क्षमता थी।

- बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में भारत-नेपाल सीमा (लुम्बिनी) के पास कपिलवस्तु के शाक्य वंश में हुआ था।
- 29 वर्ष की आयु में उन्होंने विलासितापूर्ण जीवन त्यागकर तप (आत्म-अनुशासन) अपना लिया और अंततः बिहार के बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे 49 दिनों के ध्यान के बाद बोधि (ज्ञान) प्राप्त किया।
- उनका पहला उपदेश, जिसे धर्म-चक्र-प्रवर्तन के नाम से जाना जाता है, बनारस के पास सारनाथ में दिया गया था।
- बुद्ध का निधन 483 ईसा पूर्व में उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में हुआ था, इस क्षण को महापरिनिर्वाण कहा जाता है।

चार आर्य सत्य

- दुःख जीवन का एक अंतर्निहित हिस्सा है।
- दुःख के कारण (समुद्य) विद्यमान हैं।



करेंट अफेयर्स मई 2025

- दुःख निरोध संभव है।
- दुःख को समाप्त करने का रास्ता अष्टांग मार्ग (अत्तंग मग्गा) है।

अष्टांगिक मार्ग

- सम्यक दृष्टि:** दुःख के कारण को समझना।
- सही इरादा:** अपने इरादों को करुणा के साथ संरेखित करना।
- सम्यक वाक्:** सत्य बोलना और हानिकारक वाक् से बचना।
- सही कर्म:** नैतिक आचरण का पालन करना (नुकसान पहुँचाने, झूठ बोलने आदि से बचना)।
- सही आजीविका:** ऐसे कार्य में संलग्न होना जिससे दूसरों को हानि न पहुँचे।
- सही सचेतनता:** अपने शरीर, मन और कार्यों के प्रति जागरूक रहना।
- सम्यक प्रयास:** अच्छा करने के लिए लगातार प्रयास करना।
- सम्यक एकाग्रता:** एकाग्र ध्यान का अभ्यास करना।

प्रमुख बौद्ध ग्रंथ

- मौखिक शिक्षाएँ:** बुद्ध की शिक्षाएँ शुरू में मौखिक थीं और उनके शिष्यों द्वारा आगे बढ़ाई गईं।
- प्रथम संगीति (483 ईसा पूर्व):** बुद्ध की शिक्षाओं को तीन पिटकों में विभाजित किया गया था:
 - विनय पिटक:** मठवासी आचरण के नियम।
 - सुत्त पिटक:** बुद्ध की मूल शिक्षाएँ।
 - अभिधम्म पिटक:** शिक्षाओं का दार्शनिक विश्लेषण।
- महत्त्वपूर्ण ग्रंथ:** इसमें धम्मपद, विनय पिटक और दिव्यावदान और मिलिंद पन्हा जैसे अन्य ग्रंथ शामिल हैं।

बौद्ध संगीतियों की भूमिका

- प्रथम संगीति (483 ईसा पूर्व):** बुद्ध की शिक्षाओं को संरक्षित करने और उन्हें तीन पिटकों में विभाजित करने के लिए महाकाश्यप के अधीन आयोजित की गई थी।
- द्वितीय परिषद (383 ईसा पूर्व):** वैशाली में आयोजित, नैतिक चिंताओं पर केंद्रित।
- तृतीय संगीति (250 ई.पू.):** सम्राट अशोक के अधीन आयोजित, जिसके फलस्वरूप बौद्ध धर्म का भारत से बाहर भी प्रसार हुआ।
- चतुर्थ संगीति (72 ई.):** यह संगीति कश्मीर के कुण्डलवन में आयोजित हुई, जिसमें महायान और हीनयान संप्रदायों में विभाजन हुआ।

बौद्ध धर्म के स्कूल

महायान (महान वाहन)

- यह बुद्ध की दिव्यता में विश्वास करता है और मूर्ति पूजा पर जोर देता है।

- इसका उद्गम उत्तरी भारत में हुआ तथा यह पूर्वी एशिया, मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैल गया।

हीनयान (लघु वाहन)

- आत्म-अनुशासन और ध्यान के माध्यम से व्यक्तिगत मोक्ष पर ध्यान केंद्रित करता है।
- थेरवाद मुख्य हीनयान संप्रदाय है, जो श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रमुख है।

वज्रयान (तांत्रिक बौद्ध धर्म)

भारत में लगभग 900 ई. में विकसित इस परंपरा में जटिल अनुष्ठानों और गूढ़ प्रथाओं पर जोर दिया जाता है।

जेन

महायान बौद्ध धर्म का एक स्कूल जो चीन में उत्पन्न हुआ, जो ध्यान और सजगता पर जोर देता है।



बुद्धा

आंध्र प्रदेश की लोक कलाएँ



चर्चा में क्यों ?

कई पारंपरिक लोक-कला रूप जैसे थोलू बोम्मालता, जामुकुला पाटा और टपेटा गुल्लू संरक्षण में गिरावट के कारण लुप्त हो रहे हैं।

आंध्र प्रदेश की महत्वपूर्ण लोक कलाएँ

- **थोलू बोम्मालता:** यह तीसरी शताब्दी की छाया कठपुतली कला है। इसमें संगीत, कहानी सुनाने और यात्रा करने वाले कलाकारों द्वारा की जाने वाली कलाबाजी के माध्यम से हिंदू महाकाव्यों को दर्शाया जाता है।



थोलू बोम्मालता

- **जामुकुला पाटा:** इस लोक कला में तीन कलाकार शामिल होते हैं - एक पाटाकुडु (गायक) और दो अन्य जो कोरस प्रदान करते हैं। यह पारंपरिक रूप से गांवों में किया जाता है और मुख्य रूप से दलित समुदायों के लोग इसका आनंद लेते हैं।



जामुकुला पाटा

- **तप्पेटा गुल्लू:** चरवाहों द्वारा बारिश का आह्वान करने और देवी गंगम्मा की पूजा करने के लिए किया जाने वाला एक पारंपरिक भक्ति नृत्य। कलाकार भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए घुंघरू पहनते हैं और अपनी छाती से जुड़ा एक छोटा सा ढोल बजाते हैं।



तप्पेटा गुल्लू

- **पुली वेशालु:** इस कला में कलाकार खुद को बाघों जैसा बनाते हैं और लयबद्ध तरीके से चलते हैं। यह कला विशेष रूप से विजयनगरम में लोकप्रिय है और इसे इस क्षेत्र की एक प्रसिद्ध लोक-कला के रूप में मान्यता प्राप्त है।



पुली वेशालु



विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES)- 2025



चर्चा में क्यों ?

वेक्स 2025 – विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन – आधिकारिक तौर पर 1 मई 2025 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुआ।

वेक्स 2025 के बारे में

- वेक्स शिखर सम्मेलन 2025 भारत का प्रमुख वैश्विक मंच है जो मीडिया और मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र को समर्पित है।
- यह शिखर सम्मेलन उद्योग जगत के नेताओं, नवप्रवर्तकों, निवेशकों और नीति निर्माताओं को एकजुट करेगा ताकि वे सहयोग कर सकें और M&E के भविष्य को परिभाषित कर सकें।
- फोकस क्षेत्रों में प्रसारण, फिल्म, गेमिंग, एनीमेशन, दृश्य प्रभाव, संगीत, विज्ञापन, डिजिटल और सोशल मीडिया, जनरेटिव एआई, एआर/वीआर/एक्सआर आदि शामिल हैं।
- वेक्स का उद्देश्य भारत को रचनात्मक विषय-वस्तु, बौद्धिक संपदा सृजन और एम एंड ई नवाचार के लिए एक अग्रणी वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

स्टॉकहोम कन्वेंशन



चर्चा में क्यों ?

भारत ने हाल ही में स्टॉकहोम कन्वेंशन के अंतर्गत खतरनाक कीटनाशक क्लोरपाइरीफोस को शामिल किये जाने का विरोध किया है।

स्टॉकहोम कन्वेंशन के बारे में

- **उत्पत्ति:** 2001 में अपनाया गया और 2004 में लागू किया गया स्टॉकहोम कन्वेंशन का उद्देश्य मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को स्थाई कार्बनिक प्रदूषकों (पीओपी) के हानिकारक प्रभावों से बचाना है।

- **उद्देश्य:** सम्मेलन का ध्यान उन रसायनों के उत्पादन और उपयोग को समाप्त करने या प्रतिबंधित करने पर केंद्रित है जो पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जीवित जीवों में जमा हो जाते हैं, तथा मनुष्यों और वन्यजीवों दोनों के लिए विषाक्त होते हैं।

प्रमुख विशेषताएँ

- **पीओपी विशेषताएँ:** स्थायी कार्बनिक प्रदूषक (पीओपी) कार्बन आधारित कार्बनिक रासायनिक पदार्थ हैं जो पर्यावरण में लम्बे समय तक बने रहते हैं, जीवों में जमा होते हैं और बढ़ते हैं, जिससे वे मनुष्यों और वन्य जीवन दोनों के लिए खतरनाक बन जाते हैं।
- **भारत का रुख:** भारत ने स्टॉकहोम कन्वेंशन पर हस्ताक्षर और अनुसमर्थन किया है, लेकिन क्लोरपाइरीफोस (पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाने वाला कीटनाशक) के वैश्विक स्तर पर चरणबद्ध तरीके से उन्मूलन का विरोध किया है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विवरण

- **विभाजन और प्रथम कश्मीर युद्ध (1947-1948):** भारत के विभाजन के कारण क्षेत्रीय विवाद उत्पन्न हुए, खासकर जम्मू और कश्मीर को लेकर। पहला युद्ध 1947-48 में लड़ा गया, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) का निर्माण हुआ।
- **1965 और 1971 के युद्ध:** 1965 का युद्ध फिर से कश्मीर पर केंद्रित था। 1971 के युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ, जिसमें भारत ने पूर्वी पाकिस्तान के अलगाव का समर्थन किया।
- **परमाणु परीक्षण (1998):** भारत और पाकिस्तान दोनों ने स्वयं को परमाणु शक्ति संपन्न घोषित कर दिया, जिससे तनाव तो बढ़ा, लेकिन कूटनीतिक समाधान की मांग भी उठी।
- **कारगिल संघर्ष (1999):** पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय कश्मीर में घुसपैठ की, जिससे कारगिल संघर्ष शुरू हो गया। भारत ने संघर्ष जीत लिया, लेकिन संबंध खराब हो गए।
- **2000 के दशक में आतंकवादी हमले**
 - ◆ **2001:** लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादियों द्वारा भारतीय संसद पर हमला।

- ◆ 2008: मुंबई में कई स्थानों को निशाना बनाकर आतंकवादी हमले।

- 2016 पठानकोट एयरबेस हमला: जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने भारतीय एयरबेस पर हमला किया, जिससे संबंध खराब हो गए।
- उरी हमला (18 सितंबर, 2016): जम्मू-कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के बेस पर चार आतंकवादियों ने हमला किया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक की।
- पुलवामा हमला (14 फरवरी, 2019): जैश-ए-मोहम्मद के एक आत्मघाती हमलावर ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हमला किया, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए। इसके बाद भारत ने बालाकोट हवाई हमले किए और तनाव बढ़ गया।
- पहलगाम आतंकी हमला (अप्रैल 2025): जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें कई लोग हताहत हुए। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के साथ अपनी मुख्य भूमि सीमा को बंद कर दिया और सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया, पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने का आरोप लगाया ।

विश्व स्वास्थ्य सभा का 78वां सत्र



चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) के 78वें सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया तथा वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति अधिक समावेशी, सहयोगात्मक और एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विश्व स्वास्थ्य सभा के बारे में

- यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का निर्णय लेने वाला निकाय है।
- इस सभा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं।
- यह सभा कार्यकारी बोर्ड द्वारा निर्धारित विशिष्ट स्वास्थ्य एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करती है।
- विश्व स्वास्थ्य सभा हर वर्ष जिनेवा, स्विटजरलैंड में आयोजित की जाती है।
- इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य सभा का विषय 'स्वास्थ्य के लिए एक विश्व' है।

क्यूबा मिसाइल क्रेसीस

क्यूबा मिसाइल संकट के बारे में

- अक्टूबर 1962 में शीत युद्ध अपने चरम पर पहुंच गया जब अमेरिका और सोवियत संघ 13 दिनों तक परमाणु युद्ध के खतरनाक कगार पर पहुंच गये।
- इस तनावपूर्ण स्थिति को क्यूबा मिसाइल संकट के नाम से जाना जाता है।
- सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव और अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के त्वरित और बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णयों के कारण यह संकट टल गया।

पृष्ठभूमि

- 1961 में, अमेरिका समर्थित क्यूबा के विद्रोहियों ने फिदेल कास्त्रो को सत्ता से हटाने का प्रयास किया।
- आक्रमण विफल हो गया, जिसके कारण कास्त्रो को भविष्य में अमेरिकी हमलों से सुरक्षा के लिए सोवियत संघ की ओर रुख करना पड़ा।

संकट की मुख्य घटनाएँ

क्यूबा में सोवियत मिसाइलें

- ख्रुश्चेव ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कीं, जो अमेरिकी तट से मात्र 145 किमी. दूर हैं।
- ये मिसाइलें कुछ ही मिनटों में पूर्वी अमेरिका तक पहुंच सकती हैं।

अमेरिकी प्रतिक्रिया

कैनेडी ने सोवियत हथियारों को क्यूबा तक पहुंचने से रोकने के लिए नौसैनिक नाकाबंदी (जिसे संगरोध कहा जाता है) की घोषणा की।

चरमोत्कर्ष और समाधान:

- 28 अक्टूबर 1962 को ख्रुश्चेव ने क्यूबा में मिसाइल निर्माण रोकने और मिसाइलों को हटाने पर सहमति व्यक्त की।
- बदले में, अमेरिका ने क्यूबा पर आक्रमण न करने का वादा किया।
- नवंबर के अंत तक संकट आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गया।

सोवियत संघ (USSR)

- पूरा नाम: सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ।
- 21 गणराज्यों से बनी एक साम्यवादी महाशक्ति, जिस पर कम्युनिस्ट पार्टी का शासन है।
- अत्यधिक केंद्रीकृत राजनीतिक और आर्थिक प्रणाली।
- 1991 में इसका पतन हो गया, जिससे शीत युद्ध समाप्त हो गया।

ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक 2025



चर्चा में क्यों ?

भारत ब्राजील में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) संस्कृति मंत्रियों की बैठक में भाग लेगा, जिसमें मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक 2025 के बारे में

- ब्राजील में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच संयुक्त परियोजनाओं, संस्थागत संबंधों और विरासत संरक्षण के माध्यम से सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाना है।
- भारत के संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सांस्कृतिक कूटनीति, विरासत संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालेंगे तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाली हालिया पहलों का प्रदर्शन करेंगे।

- यह बैठक ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देती है तथा उनके साझा सांस्कृतिक बंधन को मजबूत बनाती है।

ब्रिक्स के बारे में

- ब्रिक्स प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक अंतर-सरकारी समूह है। इसमें मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे, और 2010 में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हो गया।
- 2024 में ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और इथियोपिया भी सदस्य बन जाएंगे, जबकि सऊदी अरब को अभी औपचारिक रूप से अपनी सदस्यता की पुष्टि करनी है।
- पहला ब्रिक शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में आयोजित किया गया था।
- **मुख्यालय:** शंघाई, चीन।



प्रोजेक्ट कुइपर

- अमेजन ने प्रोजेक्ट कुइपर के तहत पहले 27 उपग्रहों को प्रक्षेपित किया, जो एक निम्न पृथ्वी कक्षा (Low Earth orbit-LEO) उपग्रह ब्रॉडबैंड नेटवर्क है।
- इस परियोजना का उद्देश्य लगभग 3,232 उपग्रहों के नेटवर्क के माध्यम से वंचित क्षेत्रों में उच्च गति, कम विलंबता और किफायती इंटरनेट पहुँच उपलब्ध कराना है।
- कुइपर बेल्ट के नाम पर बनी यह परियोजना वैश्विक ब्रॉडबैंड कवरेज के अपने लक्ष्य में स्पेसएक्स स्टारलिनक के समान है।

जोजिला दर्रा

- जोजिला दर्रा (Zojila Pass) अब बिना किसी पूर्व अनुमति या अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की आवश्यकता के पर्यटकों के लिये खुला है।
- 3,528 मीटर की ऊँचाई पर स्थित यह दर्रा लद्दाख और कश्मीर को जोड़ता है तथा कश्मीर घाटी को द्रास घाटी से अलग करता है।
- वर्ष 2018 में शुरू की गई जोजिला सुरंग परियोजना पूरी होने पर एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक सुरंग बन जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025

- प्रतिवर्ष 1 मई, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस 2025 का विषय 'Safety and Health of Workers' अर्थात् श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य है।

ऑपरेशन सिंदूर

- भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी स्थलों को निशाना बनाकर 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।
- हमलों का उद्देश्य स्थिति को और अधिक खराब किये बिना आतंकवादी बुनियादी ढाँचे को नष्ट करना था, तथा यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी पाकिस्तानी सैन्य लक्ष्य प्रभावित न हो।

बगलिहार बाँध

- भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बाँध के माध्यम से पाकिस्तान की ओर जाने वाले जल प्रवाह को रोक दिया है तथा झेलम नदी पर

किशनगंगा बाँध पर भी इसी प्रकार की कार्रवाई करने की योजना बना रहा है।

- **बगलिहार बाँध:** जम्मू और कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थित यह 900 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना दो चरणों में पूरी हुई, जिसकी स्वीकृति 1996 में शुरू हुई तथा दूसरे चरण की स्वीकृति 2008 में मिली।
- **किशनगंगा बाँध:** जम्मू-कश्मीर में स्थित, यह 330 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना किशनगंगा नदी के पानी को मोड़ती है, जिस पर पाकिस्तान ने आपत्ति जताई है। हेग कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने 2013 में कुछ शर्तों के तहत पानी को मोड़ने की अनुमति दी थी।
- **जल विवाद:** भारत की कार्रवाई का उद्देश्य जल प्रवाह को विनियमित करना है, जिसके कारण साझा नदी संसाधनों को लेकर पाकिस्तान के साथ तनाव पैदा हो रहा है।

ऑपरेशन शिवा

- पहलगाम आतंकवादी हमले और पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के उत्तर में, भारतीय सुरक्षा बलों ने अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित करने के लिये ऑपरेशन शिवा शुरू किया है।
- अनंतनाग जिले में 13,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बर्फ का शिवलिंग स्थापित है, जो भगवान शिव का प्रतीक है, साथ ही छोटे बर्फ के स्तंभ भी हैं जो पार्वती और गणेश का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह तीर्थयात्रा श्रावण मास के दौरान होती है, जब बर्फ का शिवलिंग अपने पूर्ण आकार में पहुँच जाता है, तथा इसकी उत्पत्ति का वर्णन संस्कृत पुस्तक बृंगेश संहिता में किया गया है।

विश्व अस्थमा दिवस 2025

- विश्व अस्थमा दिवस मई माह के पहले मंगलवार को मनाया जाता है।
- विश्व अस्थमा दिवस 2025, 6 मई को मनाया जाएगा।
- **थीम 2025:** "श्वसन उपचार को सभी के लिये सुलभ बनाना"

त्रिशूर पूरम

- त्रिशूर पूरम केरल का एक भव्य, सात दिवसीय मंदिर उत्सव है, जो बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है तथा विभिन्न धर्मों के लोगों को एकजुट करता है।
- 1796 में शक्थान थंपुरन द्वारा शुरू किये गए इस उत्सव में 50 सुसज्जित हाथियों का भव्य जुलूस और शानदार आतिशबाजी का प्रदर्शन होता है।

- हिंदू परंपराओं में गहराई से निहित यह त्योहार केरल की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाता है तथा लोगों में एकता और गौरव को बढ़ावा देता है।

INS शारदा

- मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास में भाग लेने के लिये INS शारदा मालदीव के माफिलाफुशी में पहुँच गया है।
- मालदीव, हिंद महासागर में स्थित एक उष्णकटिबंधीय राष्ट्र है, जो 26 प्रवाल द्वीपों से बना है तथा इसका भूदृश्य पूरी तरह प्रवाल भित्तियों से निर्मित है।
- यह विश्व की सातवीं सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली का घर है, जो वैश्विक प्रवाल भित्ति क्षेत्र का लगभग 3.14% है।



ऑपरेशन अभ्यास

- भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के उत्तर में, बेंगलुरु में गृह मंत्रालय (MHA) के निर्देशों के तहत कर्नाटक राज्य अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के नेतृत्व में एक नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल, ऑपरेशन अभ्यास का आयोजन किया गया।
- हलासुरू में आयोजित इस अभ्यास में अग्निशमन, बचाव और ऊंची इमारतों से लोगों को निकालने जैसी गतिविधियों के साथ आपातकालीन तैयारियों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- इसका उद्देश्य पहलगांम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रीय अलर्ट बढ़ाए जाने के बीच जन जागरूकता बढ़ाना तथा विभिन्न सेवाओं के बीच समन्वय का परीक्षण करना था।

आदिशक्ति अभियान

- समाज सुधारक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र सरकार ने 10.50 करोड़ रुपये के बजट के साथ महिला सशक्तीकरण पहल, आदिशक्ति अभियान शुरू किया है।
- इस अभियान का उद्देश्य कुपोषण, बाल विवाह और लिंग आधारित हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों का समाधान करना तथा स्थानीय शासन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

- यह कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा तथा सामुदायिक पहुँच और जागरूकता के लिये विभिन्न स्तरों पर समितियों का गठन करेगा।

जिनेवा में BRS सम्मेलनों की CoP संपन्न हुई

- हाल ही में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में बासेल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम सम्मेलनों (BRS CoP) के पक्षकारों के सम्मेलन (CoP) की थीम थी, "Make visible the invisible: sound management of chemicals and wastes अर्थात् अदृश्य को दृश्य बनाएँ: रसायनों और अपशिष्टों का अच्छा प्रबंधन।"
- इन द्विवार्षिक सम्मेलनों का उद्देश्य खतरनाक रसायनों और अपशिष्ट प्रबंधन पर वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाना है तथा भारत इन तीनों सम्मेलनों का एक पक्ष है।
- ये सम्मेलन खतरनाक अपशिष्ट को कम करने, रसायनों के सुरक्षित प्रबंधन को सुनिश्चित करने तथा मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिये स्थाई कार्बनिक प्रदूषकों (POP) को समाप्त करने पर केंद्रित हैं।

S-400

- रूस से प्राप्त लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली S-400 'सुदर्शन चक्र', स्टेल्थ विमान, मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों का सामना करने के लिये भारत की प्रमुख परिसंपत्ति है।
- भारत ने 2018 में रूस के साथ ₹35,000 करोड़ के सौदे में यह प्रणाली खरीदी थी और अब तीन स्क्वाड्रन संचालन में हैं।



S-400

पारंपरिक चिकित्सा के मित्रों का समूह

- पारंपरिक चिकित्सा के मित्रों के समूह (GFTM) की छठी बैठक जिनेवा में आयोजित की गई, जिसमें स्वास्थ्य सेवा में पारंपरिक चिकित्सा को सुदृढ़ करने के लिये वैश्विक प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।
- बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पारंपरिक चिकित्सा रणनीति 2025-2034 का समर्थन किया गया तथा साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व पर प्रकाश डाला गया।

- सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने राष्ट्रीय आयुष मिशन और पारंपरिक चिकित्सा में एआई जैसे उभरते क्षेत्रों के एकीकरण जैसी पहलों के माध्यम से भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

भारत बोध केंद्र

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में इंडिया हैबिटेड सेंटर (IHC) में 'भारत बोध केंद्र' का उद्घाटन किया, जो कला, दर्शन, अध्यात्म और इतिहास पर पुस्तकों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को जानने के लिये समर्पित स्थान है।
- इस पहल का उद्देश्य भारत की अमूर्त विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देना, सांस्कृतिक साक्षरता और विरासत शिक्षा को बढ़ावा देना है।
- यह केंद्र विद्वानों और सार्वजनिक सहभागिता के लिये संसाधन प्रदान करता है तथा भारत की परंपराओं पर अंतःविषयक शोध को समर्थन प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस हर वर्ष 18 मई को मनाया जाता है।

- स्थापनाकर्ता:** अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद (ICOM)
- पहली बार मनाया गया:** 18 मई, 1978 (अवधारणा की शुरुआत 1951 में हुई)
- 2025 का थीम:** "तेजी से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य"

विश्व की पहली व्यक्तिगत जीन संपादन थेरेपी

- संयुक्त राज्य अमेरिका के वैज्ञानिकों ने CPS1 नामक दुर्लभ आनुवंशिक विकार से पीड़ित एक बच्चे के इलाज के लिये दुनिया की पहली व्यक्तिगत CRISPR-आधारित जीन-संपादन चिकित्सा को सफलतापूर्वक लागू किया, जो कि लीवर की खराबी के कारण विषाक्त अमोनिया निर्माण का कारण बनता है।
- जीन संपादन चिकित्सा आनुवंशिक दोषों को ठीक करने या नई आनुवंशिक सामग्री को शामिल करने के लिये जीव के डीएनए को संशोधित करती है।
- इसे दो भागों में वर्गीकृत किया गया है: दैहिक जीन संपादन (त्वचा या यकृत जैसी गैर-प्रजनन कोशिकाओं को लक्ष्य बनाता है, जिससे केवल उपचारित व्यक्ति प्रभावित होता है) और जर्मलाइन जीन संपादन (प्रजनन कोशिकाओं या प्रारंभिक भ्रूणों को लक्ष्य बनाता है, जिससे भावी पीढ़ियों में आनुवंशिक परिवर्तन होते हैं)।
- प्रमुख जीन-संपादन उपकरणों में CRISPR-Cas9, जिंक फिंगर न्यूक्लियेस (ZFNs) और TALENs शामिल हैं, जो आनुवंशिक सुधार के लिये लक्षित स्थानों पर DNA को सटीकता से काटते हैं।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) का पहला विदेशी परिसर

- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप दुबई में अपना पहला विदेशी परिसर स्थापित करेगा, जो उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण और वैश्विक शिक्षण केंद्रों के निर्माण को बढ़ावा देगा।
- NEP 2020 भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) को विदेशों में परिसर स्थापित करने के लिये प्रोत्साहित करता है (उदाहरण के लिये, तंजानिया में IIT मद्रास) और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों को भारत में परिसर खोलने के लिये प्रोत्साहित करता है (उदाहरण के लिये, गुजरात के गिफ्ट सिटी में डीकिन विश्वविद्यालय)।
- उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण से भारत को लाभ होगा, क्योंकि इससे वैश्विक सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और अनुसंधान में वृद्धि होगी, विदेशों में अध्ययनरत भारतीय छात्रों के पास विदेशी मुद्रा की बचत होगी, अंतर-सांस्कृतिक कौशल के माध्यम से रोजगार क्षमता में सुधार होगा तथा सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ावा मिलेगा।

भारत ने 16 वीं सदी की बावड़ी का जीर्णोद्धार किया

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने विश्व स्मारक निधि भारत के सहयोग से दिल्ली में ऐतिहासिक राजों की बावली बावड़ी का जीर्णोद्धार किया है।
- राजों की बावली लोदी काल में निर्मित एक चार-स्तरीय बावड़ी है, जो महारौली पुरातत्व पार्क में स्थित है, जो पीने और खाना पकाने के लिये जल भंडारण संरचना के रूप में कार्य करती है।
- इस इंडो-इस्लामिक स्थापत्य स्मारक का निर्माण 1506 ई. में सिकंदर लोधी के दरबार के अमीर दौलत खान द्वारा कराया गया था।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

- भारत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नष्ट किये गए पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में नए सबूतों के बारे में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) को सूचित करेगा।
- यह कदम पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद उठाया गया है, जिसमें पाकिस्तान के आतंकवादी बुनियादी ढाँचे पर प्रकाश डाला गया है।
- इसका उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा धन शोधन निरोधक और आतंकवाद वित्तपोषण निरोधक उपायों के अनुपालन के संबंध में FATF के मूल्यांकन को समर्थन प्रदान करना है।

स्वर्ण मंदिर

- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाकर मिसाइलों और ड्रोन दागे, लेकिन भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सफलतापूर्वक उन्हें रोक दिया।

- **स्थान:** अमृतसर, पंजाब, भारत
- चौथे सिख गुरु, गुरु रामदास साहिब ने 16वीं शताब्दी में एक समावेशी पूजा स्थल के रूप में मंदिर और इसके पवित्र कुंड का निर्माण शुरू कराया था।
- विगत कुछ वर्षों में मंदिर में कई नवीनीकरण कार्य हुए, जिनमें जटिल संगमरमर का फर्श लगाना भी शामिल है।
- सिख साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रणजीत सिंह ने मंदिर के ऊपरी स्तरों को 750 किलोग्राम शुद्ध सोने से सुसज्जित किया था।
- प्रतिष्ठित सिख धर्मग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब, हरमंदिर साहिब में स्थापित है, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।



स्वर्ण मंदिर

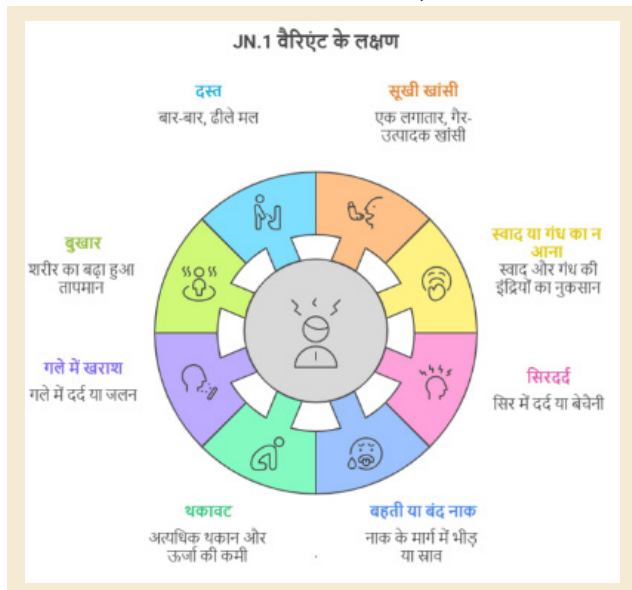
वैश्विक EV आउटलुक रिपोर्ट 2025

- यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) द्वारा जारी की गई।
- रिपोर्ट के अनुसार एशिया और लैटिन अमेरिका, विशेषकर थाईलैंड, वियतनाम और ब्राजील, नए EV केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।
- भारत ने इलेक्ट्रिक श्री-व्हीलर्स में वृद्धि का नेतृत्व किया, जिसे पीएम ई-ड्राइव का समर्थन प्राप्त हुआ।
- **पीएम ई-ड्राइव योजना:** दो वर्षों में 10,900 करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का उद्देश्य पूरे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाने में तेजी लाना है।

कोविड

- सिंगापुर और हांगकांग में बढ़ते कोविड मामलों के बीच, भारत में 257 मामले सामने आए हैं किंतु स्थिति नियंत्रण में है।
- स्वास्थ्य अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि चिंता की कोई बात नहीं है तथा सभी आवश्यक उपाय किये जा रहे हैं।
- JN 1 कोविड का नवीनतम प्रकार है जिसमें संक्रमण आमतौर पर हल्के से मध्यम होता है।

- JN1 से गंभीर बीमारी होने की संभावना नहीं दिखती है, हालांकि कमजोर वर्ग जैसे कि बुजुर्ग और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।



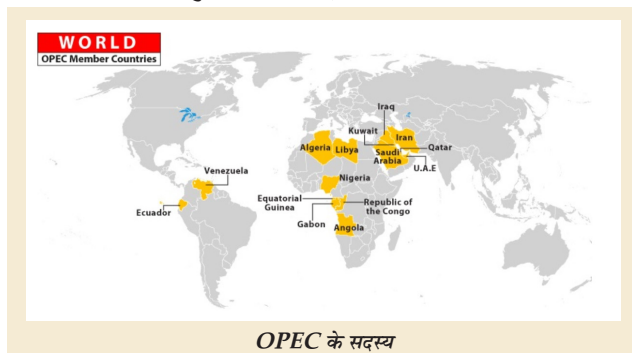
अमृत भारत रेलवे स्टेशन

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS) के तहत 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।
- इस योजना का उद्देश्य यात्री सुविधाओं में सुधार कर और क्षेत्रीय संरचना शैली को शामिल कर समग्र देश में 1,300 से अधिक स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है।
- लगभग 1,100 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किये गए 103 स्टेशन आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित राज्यों के 86 जिलों में विस्तृत हैं।
- राजस्थान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर और मुंबई के बीच एक नई एक्सप्रेस ट्रेन का भी उद्घाटन किया और करणी माता मंदिर में दर्शन करने के उपरांत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन किया।

OPEC देश

- OPEC+ बढ़ते अमेरिकी शेल उत्पादन से प्रतिस्पर्द्धा करने और गत दशक में बाजार में कम हुई हिस्सेदारी को पुनः प्राप्त करने के लिये तेल का उत्पादन बढ़ा रहा है।
- OPEC (पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन) एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा की गई थी।

- OPEC का मुख्य उद्देश्य तेल की वैश्विक कीमतों को स्थिर करने के लिये तेल आपूर्ति का प्रबंधन करना है।
- इससे मूल्य में उतार-चढ़ाव को रोकने में मदद मिलती है, जिसका तेल उत्पादक और उपभोक्ता देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- OPEC का मुख्यालय ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित है।



चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC)

- चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान त्रिपक्षीय सहयोग बढ़ाने तथा क्षेत्रीय शांति तथा विकास को बढ़ावा देने के लिये चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) का विस्तार अफगानिस्तान तक करने पर सहमत हो गए हैं।
- यह निर्णय चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच बीजिंग में हुई बैठक के बाद लिया गया।
- CPEC चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के तहत एक प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजना है, जिसे वर्ष 2013 में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य सड़कों, ऊर्जा परियोजनाओं और व्यापार मार्गों के माध्यम से चीन और पाकिस्तान को जोड़ना है।

आतंकवाद विरोधी दिवस

- आतंकवाद और हिंसा के खतरों के बारे में लोगों को अधिक जागरूक करने के लिये प्रत्येक वर्ष 21 मई को समग्र भारत में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है।
- यह दिन 21 मई 1991 को आतंकवादियों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या की स्मृति में मनाया जाता है।

ब्रह्मोस-NG

- ब्रह्मोस-NG (नेक्स्ट जेनरेशन) एक नवीन, अपेक्षाकृत हल्की, वायु प्रक्षेपित मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 800 किलोमीटर है, जिसका वहन Su-30MKI और LCA तेजस जैसे अन्य फाइटर जेट करते हैं।
- इसका उपयोग भारतीय वायु सेना (IAF) द्वारा मई 2025 में पाकिस्तानी ठिकानों पर सटीक हमले के लिये किया गया था।



ब्रह्मोस-NG

- ब्रह्मोस-NG का संभवतः 1-2 वर्षों के भीतर उत्पादन किया जाना शुरू ही जाएगा और यह भारतीय वायुसेना का प्राथमिक निवारक हथियार होगा।
- भारतीय वायुसेना ने Su-30MKI जेट यानों पर ब्रह्मोस मिसाइलों को शामिल कर अपनी मारक क्षमता को बढ़ाया है, जिससे सटीकता और प्रतिवारण क्षमता में वृद्धि हुई है।

करणी माता मंदिर

- बीकानेर के निकट देशनोक में स्थित करणी माता मंदिर अपनी सदियों पुरानी परंपरा के लिये प्रसिद्ध है, जहाँ चूहों, जिन्हें 'काबा' कहा जाता है, को पवित्र माना जाता है।
- मंदिर में हजारों चूहे रहते हैं और माना जाता है कि वे करणी माता के परिवार के सदस्यों के अवतार हैं।
- प्रधानमंत्री मोदी ने देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया और अमृत भारत योजना के तहत बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।



करणी माता मंदिर

एशियाई शेर

- गुजरात में एशियाई शेरों की आबादी 32.2% बढ़कर वर्ष 2025 में 891 तक पहुँच गई, जो वर्ष 2020 में 674 थी, जिनमें से 44% से अधिक संरक्षित क्षेत्रों के बाहर हैं।
- इस वृद्धि का श्रेय प्रोजेक्ट लायन को जाता है, जिसने गिर परिदृश्य में आवासों, शिकार आधार में सुधार किया तथा संघर्षों को कम किया।
- 16 वीं गणना में सटीक शेर संरक्षण के लिये वैज्ञानिक बीट सत्यापन विधि और GPS ट्रैकिंग और GIS मॉनिटरिंग जैसे उन्नत तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया।



एशियाई शेर

कोंकण रेलवे

- महाराष्ट्र सरकार ने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (KRCL) के भारतीय रेलवे में विलय को मंजूरी दे दी है।
- कोंकण मार्ग, जो अपने सुंदर परिदृश्य के लिये जाना जाता है, पश्चिमी तट पर यात्री और माल यातायात के लिये महत्वपूर्ण है।

कीझाडी उत्खनन रिपोर्ट

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने के अमरनाथ रामकृष्ण द्वारा कीझाडी उत्खनन रिपोर्ट (2014-16) लौटा दी तथा कालक्रम, शब्दावली में सुधार करने और विस्तृत मानचित्रों को शामिल करने का अनुरोध किया।
- रिपोर्ट में संगम युग को लगभग 800 ईसा पूर्व बताया गया है, जो पहले से मान्यता प्राप्त प्राचीन शहरी तमिल सभ्यता का संकेत देता है।
- विद्वानों और सांसदों का आरोप है कि यह देरी राजनीति से प्रेरित है और तमिलनाडु की ऐतिहासिक विरासत को कमजोर करने का प्रयास है।

14 वीं ESG बैठक

- 14 वीं भारत-यूके कार्यकारी संचालन समूह (ESG) बैठक 20-21 मई 2025 तक नई दिल्ली और हिसार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय और ब्रिटिश सेनाएँ शामिल थीं।

- चर्चा में वार्षिक रक्षा सहयोग योजना, अभ्यास अजेय वारियर तथा सैन्य प्रशिक्षण एवं थिंक टैंक साझेदारी को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- दोनों पक्षों ने विशिष्ट प्रौद्योगिकियों, परिचालन प्रशिक्षण तथा अंतर-संचालनीयता और क्षमता विकास में गहन सहयोग की संभावनाएँ तलाशीं।

स्वर्ण गुंबद

- गोल्डन डोम एक अंतरिक्ष आधारित मिसाइल रक्षा प्रणाली है, जिसकी घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है, जो इजरायल के आयरन डोम से प्रेरित है।
- इसका उद्देश्य हाइपरसोनिक और अंतरिक्ष से प्रक्षेपित मिसाइलों को रोकना है, जिसके लिये उपग्रहों के विशाल नेटवर्क की आवश्यकता होगी।
- इस प्रणाली को वर्ष 2029 तक आंशिक रूप से चालू करने की योजना है, लेकिन इसमें बड़ी तकनीकी और वित्तीय चुनौतियाँ हैं।

चागोस द्वीपसमूह

- **संप्रभुता हस्तांतरण:** ब्रिटेन ने चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को हस्तांतरित कर दी है।
- **अवस्थिति एवं संरचना:** यह भारत से लगभग 1,600 किमी. दक्षिण में, मध्य हिंद महासागर में स्थित है; इसमें सात एटोल हैं, जिनमें डिएगो गार्सिया सबसे बड़ा है।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** ब्रिटेन ने 1965 में इस क्षेत्र को 3 मिलियन पाउंड में खरीदा था, लेकिन मॉरीशस का दावा है कि स्वतंत्रता समझौते के तहत उसे यह अधिकार जबरदस्ती दिया गया था।
- **सामरिक महत्व:** अमेरिका डिएगो गार्सिया पर एक सैन्य अड्डा संचालित करता है; ब्रिटेन इसे कम से कम 99 वर्षों के लिये पट्टे पर देने के लिये मॉरीशस को प्रतिवर्ष 136 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगा।



चागोस द्वीपसमूह

यशोदा AI

- राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली में यशोदा AI: Your AI SAKHI लॉन्च किया।
- इसका उद्देश्य महिलाओं को AI से संबंधित अपराधों से निपटने, डिजिटल गोपनीयता सुनिश्चित करने और तकनीक में नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के लिये ज्ञान से सशक्त बनाना है।
- यह पहल फ्यूचर शिफ्ट लैब्स (FSL) के साथ साझेदारी में संचालित की जाती है और इसमें समुदाय-संचालित दृष्टिकोण का उपयोग किया जाता है, जिसमें छात्र, शिक्षक और महिला पेशेवर (पुलिस सहित) शामिल होते हैं।
- यशोदा AI समावेशी डिजिटल विकास को सक्षम बनाकर और प्रौद्योगिकी में लैंगिक असमानता को समाप्त करके विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

राष्ट्रपति निकेतन

- राष्ट्रपति की विरासत के साथ नागरिक संबंध को बढ़ावा देने के लिये देहरादून में राष्ट्रपति निकेतन 24 जून, 2025 से आम जनता के लिये खुला रहेगा।
- 186 वर्ष पुरानी, 21 एकड़ की यह संपत्ति, जो कभी PBG घोंड़ों के प्रशिक्षण के लिये उपयोग की जाती थी, अब कलाकृति, अस्तबल और लिली तालाब और रोज गार्डन जैसे उद्यानों को प्रदर्शित करती है।
- राष्ट्रपति ट्रौपदी मुर्मू इस स्थल का उद्घाटन करेंगी और 132 एकड़ में बनने वाले पारिस्थितिक पार्क, राष्ट्रपति उद्यान की आधारशिला रखेंगी।
- इस स्थल में राष्ट्रपति तपोवन (19 एकड़ का वन पथ) शामिल है और इसमें जल्द ही थीम गार्डन, पक्षीशाला, तितली उद्यान और इको-लर्निंग क्षेत्र भी शामिल होंगे।

38वीं केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद की बैठक

- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की अध्यक्षता में 38वीं केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (CAC) की बैठक 26 मई, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें पूरे भारत में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण में सुधार पर चर्चा की गई।
- ध्यान केंद्रित करने वाले क्षेत्र डिजिटल अप्रेंटिसशिप, डिग्री अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम, वैश्विक तैनाती, भते में वृद्धि, और महिलाओं,

दिव्यांग जनों (PwD) और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER) के युवाओं के लिये समर्थन शामिल हैं।

- मिजोरम में शुरू की गई एक विशेष योजना 26,000 से अधिक युवाओं को ₹1,500 अतिरिक्त भत्ता प्रदान करती है, जिसमें ₹43.94 करोड़ का व्यय है, ताकि सभी आठ उत्तर-पूर्वी राज्यों में कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

भारत पूर्वानुमान प्रणाली

- सरकार सटीक और स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में सुधार के लिये भारत पूर्वानुमान प्रणाली (BFS) शुरू कर रही है।
- भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे द्वारा विकसित यह प्रणाली 6 किमी. का रिजोल्यूशन प्रदान करती है।
- यह छोटे पैमाने पर होने वाले मौसम परिवर्तनों का अधिक सटीक पूर्वानुमान लगाने में सहायता करता है, जिससे स्थानीय पूर्वानुमान बेहतर हो जाते हैं।
- यह मॉडल पिछले वर्ष IITM में स्थापित सुपर कंप्यूटर अर्का की सहायता से संभव हो सका।

AI मैट्रियोशका

- गूगल के 2025 I/O सम्मेलन में मुख्य विषय के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसके संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक बुद्धिमान, कनेक्टेड और AI-संचालित अनुभवों के चारों ओर पुनर्गठित किया गया।
- एक AI पारिस्थितिकी तंत्र जिसमें कई परतें हैं, जहाँ गूगल की केंद्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता मुख्य मस्तिष्क के रूप में कार्य करती है, जिस प्रकार सबसे भीतरी मात्रीयोशका गुड़िया, जो बैकएंड API से लेकर उपयोगकर्ता-संपर्क अनुप्रयोगों तक सब कुछ संचालित करती है।

भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया

- IMF के अनुमान के अनुसार, भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।
- यह वृद्धि प्रबल घरेलू मांग, सुधारों और विस्तारित होते वैश्विक व्यापार से प्रेरित है, जो एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक मील का पत्थर है।
- यह परिवर्तन भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को उजागर करता है और युवाओं के लिये नए अवसर प्रदान करता है, जिससे छात्रों के लिये सकल घरेलू उत्पाद को समझना आवश्यक हो जाता है।



महत्वपूर्ण दिन एवं घटनाएँ

एक देश एक धड़कन



चर्चा में क्यों ?

संस्कृति मंत्रालय ने भारत के वीरों को सम्मानित करने और राष्ट्रीय एकता को प्रेरित करने के लिए देशभक्ति पहल एक देश एक धड़कन (एक राष्ट्र, एक दिल की धड़कन) शुरू की।

- 'एक देश एक धड़कन': यह अंग दान के प्रति समझ और समर्थन को बढ़ावा देने के लिए भारत में शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान है।

प्रमुख बिंदु

- **राष्ट्रव्यापी अभियान:** एक देश एक धड़कन को डिजिटल प्लेटफार्मों पर सक्रिय रूप से प्रचारित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय ध्वज के प्रति एकता और सम्मान पर प्रकाश डाला जा रहा है।
- **व्यापक भागीदारी:** मंत्रालय के अंतर्गत सभी 43 सांस्कृतिक संस्थान केवल 48 घंटों के भीतर सक्रिय रूप से शामिल होकर उत्साहपूर्वक अभियान में शामिल हो गए।
- **तिरंगा रोशनी:** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखरेख में 60 से अधिक विरासत स्मारकों को तिरंगे के रंगों में रोशन किया गया है।
- **सांस्कृतिक लामबंदी:** भारत भर के प्रसिद्ध स्थल और प्रमुख संस्थान देशभक्ति के उत्साह और राष्ट्रीय गौरव के अभियान के संदेश को अपनाने के लिए एक साथ आए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस



चर्चा में क्यों ?

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस 21 मई को विश्व स्तर पर मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के बारे में

- **2025 का थीम:** "बेहतर जीवन के लिए चाय"

- अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस 2025 पर, भारत के चाय उद्योग पर पैनाल चर्चा और एक विशेष चाय प्रशंसा क्षेत्र के साथ एक सम्मेलन वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2019 में 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के रूप में घोषित किया।
- 21 मई, 2025 को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाने के लिए 'आजीविका के लिए चाय, सतत विकास लक्ष्यों के लिए चाय' थीम पर एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का समापन दार्जिलिंग, मसाला चाय, असम और नीलगिरी जैसी लोकप्रिय भारतीय चायों के स्वाद के साथ हुआ।

भारत की चाय की किस्में

चाय की विविधता	राज्य
नाथद्वारा चाय	राजस्थान
इंजी एलक्काई चाय	तमिलनाडु
कल्लदका चाय	कर्नाटक
केसर चाय	आंध्र प्रदेश
कटिंग चाय	मुंबई
गुड़ वाली चाय	पंजाब
कहवा	कश्मीर

विश्व मधुमक्खी दिवस 2025



चर्चा में क्यों ?

विश्व मधुमक्खी दिवस 2025 दुनिया भर में 20 मई को मनाया जाता है।

- **उद्देश्य:** परागणकों के समक्ष आने वाले खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी सुरक्षा के लिए कार्रवाई को बढ़ावा देना।
- **थीम 2025:** "प्रकृति से प्रेरित होकर मधुमक्खियां हम सभी का पोषण करेंगी"।

परागणकर्ता का महत्व

- विश्व के लगभग 90% जंगली फूलदार पौधे तथा 75% से अधिक खाद्य फसलें आंशिक रूप से पशु परागण पर निर्भर हैं।
- मधुमक्खियां, तितलियां, चमगादड़, हमिंगबर्ड और अन्य पक्षी जैसे परागणकर्ता भोजन की विविधता बनाए रखने, फसल उत्पादन को बढ़ाने और भोजन की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- कुल मिलाकर, 200,000 से अधिक पशु प्रजातियां परागणकर्ता के रूप में कार्य करती हैं, जिनमें मधुमक्खियों की 20,000 से अधिक प्रजातियां शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025



चर्चा में क्यों ?

- हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है।
- **2025 का विषय:** प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के बारे में

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2000 में 22 मई को *अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (आईडीबी)* के रूप में घोषित किया था।
- यह तिथि 1992 में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीबीडी) को अपनाए जाने की याद दिलाती है, जो जैव विविधता के संरक्षण के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है।
- भारत यूएनसीबीडी का हस्ताक्षरकर्ता है और उसने 2002 में जैव विविधता अधिनियम लागू किया था।
- *जैव विविधता* शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम वाल्टर जी. रोसेन ने 1985 में किया था, जिसमें सभी जीवित जीवों की विविधता का उल्लेख किया गया था।
- जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र दशक (2011-2020) का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण के लिए वैश्विक रणनीतिक योजना को बढ़ावा देना है।

प्रमुख लक्ष्य - "30 गुणा 30" और उससे आगे:

- इसका तात्पर्य 2030 तक विश्व की 30% भूमि और महासागरों को संरक्षित करने के लक्ष्य से है।

विश्व कछुआ दिवस



चर्चा में क्यों ?

कछुओं और कछुओं के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 23 मई को विश्व कछुआ दिवस मनाया जाता है।

2025 का थीम: डांसिंग टर्टल रॉक

विश्व कछुआ दिवस के बारे में

- कछुओं और कछुओं के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2000 से प्रतिवर्ष विश्व कछुआ दिवस मनाया जाता है।
- यह कार्यक्रम अमेरिकन टर्टोइज रेस्क्यू (एटीआर) द्वारा आयोजित किया गया है, जो कछुआ और कछुआ संरक्षण पर केंद्रित एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- इसका उद्देश्य अवैध तस्करी, विदेशी खाद्य व्यापार, आवास विनाश, ग्लोबल वार्मिंग और पालतू पशु व्यापार जैसे खतरों को उजागर करना है।
- भारत में, यह दिवस राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के सहयोग से मनाया गया।
- इसका उद्देश्य कछुआ प्रजातियों के संरक्षण को बढ़ावा देना तथा उनके प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करना है।

कछुए

- कछुए सरीसृप वर्ग टेस्टुडीन्स से संबंधित हैं और अपनी पसलियों से विकसित हड्डीदार या उपास्थियुक्त कवच के लिए जाने जाते हैं, जो सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं।
- वे मीठे पानी और खारे पानी दोनों में रह सकते हैं।
- कछुआ एक प्रकार का कछुआ है जो अन्य आंशिक रूप से जलीय कछुओं की प्रजातियों के विपरीत, केवल जमीन पर ही रहता है।
- कछुए ठंडे खून वाले जानवर हैं, जिसका अर्थ है कि वे शरीर की गर्मी को नियंत्रित करने के लिए बाहरी तापमान पर निर्भर रहते हैं।
- सरीसृप, मछली और उभयचर जैसी शीत-रक्त वाली प्रजातियां गर्म और ठंडे वातावरण के बीच घूमकर अपने शरीर के तापमान को समायोजित करती हैं।
- उनका चयापचय धीमा होता है और वे भोजन या पानी के बिना लम्बे समय तक जीवित रह सकते हैं।
- आईयूसीएन के अनुसार, कई कछुए और कछुआ प्रजातियों को संवेदनशील, लुप्तप्राय या गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

खेल

खेलो इंडिया यूथ गेम्स



चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के पटना में खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) के सातवें संस्करण का वर्चुअल उद्घाटन किया।

आयोजन के बारे में

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन पहली बार बिहार में किया जा रहा है, जो खेल अवसंरचना और प्रतिभा विकास में राज्य की बढ़ती प्रमुखता को प्रदर्शित करता है।
- यह आयोजन जमीनी स्तर पर खेल भागीदारी और उत्कृष्टता बढ़ाने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है, साथ ही यह भारत में एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में बिहार की क्षमता को भी उजागर करता है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के उद्देश्य और लक्ष्य

- जमीनी स्तर पर खेलों में व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देना।
- ओलंपिक सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भावी चैंपियन तैयार करना।
- स्थानीय एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- कार्यक्रम को समावेशी और प्रासंगिक बनाए रखने के लिए नए खेलों को शामिल करें (जैसे, ईस्पोर्ट्स)।

तीरंदाजी विश्व कप 2025



चर्चा में क्यों ?

भारत ने शंघाई में तीरंदाजी विश्व कप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल सात पदक हासिल किए - जिनमें दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य शामिल हैं।

शंघाई तीरंदाजी विश्व कप में भारतीय पदक विजेता

- **स्वर्ण** - मधुरा धामनगांवकर - महिला व्यक्तिगत कंपाउंड; ओजस देवतले, अभिषेक वर्मा और ऋषभ यादव - पुरुष कंपाउंड टीम
- **रजत** - ज्योति सुरेखा वेन्म, चिकिथा तनिपर्थी, और मधुरा धमनगांवकर - महिला कंपाउंड टीम
- **कांस्य** - अभिषेक वर्मा और मधुरा धमनगांवकर - मिश्रित टीम कंपाउंड कांस्य; दीपिका कुमारी - महिला व्यक्तिगत; पार्थ सालुंके - पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व कांस्य; ऋषभ यादव - पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड

विश्व तीरंदाजी

- यह तीरंदाजी के ओलंपिक और पैरालिंपिक खेल का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ है।
- इस संगठन की स्थापना 1931 में हुई थी और यह दुनिया भर में तीरंदाजी को विनियमित करने और बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।
- विश्व तीरंदाजी के पांच महाद्वीपीय सदस्य संघ और 160 से अधिक राष्ट्रीय सदस्य संघ हैं जो अपने-अपने क्षेत्रों में इस खेल को विनियमित, बढ़ावा और विकसित करते हैं।
- विश्व तीरंदाजी का मुख्यालय स्विट्जरलैंड की ओलंपिक राजधानी लौसाने के मैसन डू स्पोर्ट इंटरनेशनल में स्थित है।

दोहा डायमंड लीग 2025



चर्चा में क्यों ?

नीरज चोपड़ा 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर की दूरी हासिल करके भाला फेंक में 90 मीटर से आगे फेंकने वाले पहले भारतीय और तीसरे एशियाई बन गए।

शीर्ष 3 स्थान धारक

- **प्रथम स्थान:** जूलियन वेबर (जर्मनी) - 91.06 मीटर (6वां प्रयास)
- **दूसरा स्थान:** नीरज चोपड़ा (भारत) - 90.23 मीटर (तीसरा प्रयास)
- **तीसरा स्थान:** एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा) - 84.65 मीटर

महत्वपूर्ण तथ्यों

- नीरज भाला फेंक में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले इतिहास के 25वें एथलीट हैं, और उनका श्रो किसी एशियाई द्वारा तीसरा सर्वश्रेष्ठ है, पाकिस्तान के अरशद नदीम (92.97 मीटर) और चीनी ताइपे के चाओ-त्सुन चेंग (91.36 मीटर) के बाद।
- नीरज चोपड़ा 2025 सीज़न की तैयारी के लिए आधुनिक समय के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में से एक जान जेलेज़नी के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं।
- उन्हें प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है।



नीरज चोपड़ा

सुपरबेट शतरंज क्लासिक



चर्चा में क्यों ?

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने अपना पहला ग्रैंड शतरंज टूर टूर्नामेंट, सुपरबेट क्लासिक 2025 जीता, जो बुखारेस्ट, रोमानिया में आयोजित किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- प्रज्ञानंद भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टरों में से एक हैं।
- ग्रैंड शतरंज टूर उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंटों की एक श्रृंखला है।
- विश्वनाथन आनंद जैसे दिग्गजों के साथ वैश्विक शतरंज समुदाय में भारत की स्थिति मजबूत हुई।



प्रज्ञानंधा

सैफ अंडर-19



चर्चा में क्यों ?

- भारत की अंडर-19 फुटबॉल टीम ने पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराकर दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (SAFF) अंडर-19 चैम्पियनशिप 2025 जीत ली।

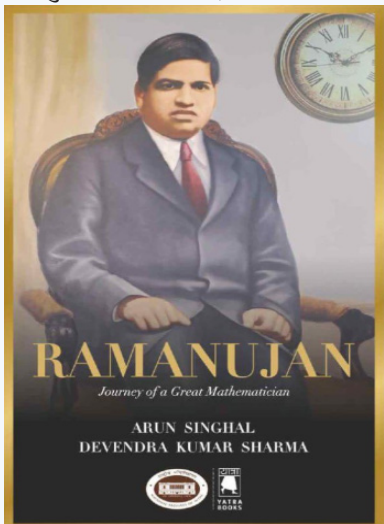
मुख्य बातें

- **स्थान:** गोल्डन जुबली स्टेडियम, यूपीया, अरुणाचल प्रदेश
- **अंतिम स्कोर:** भारत 1 – 1 बांग्लादेश (भारत पेनाल्टी पर 4-3 से जीता)
- **खिताबों की संख्या:** भारत का दूसरा SAFF अंडर-19 खिताब (पिछली जीत 2023 में)

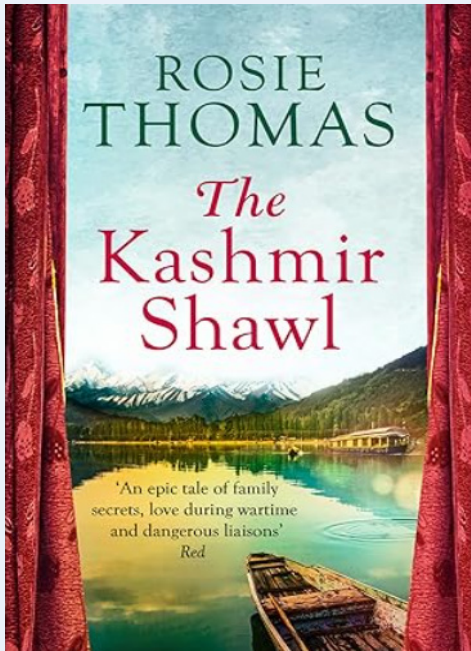
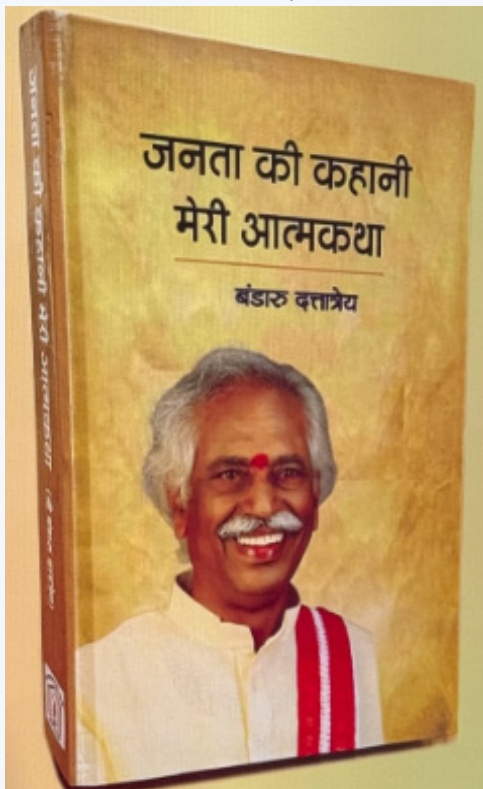
पृष्ठभूमि एवं महत्व

- सैफ अंडर-19 चैम्पियनशिप दक्षिण एशिया में युवा फुटबॉल को बढ़ावा देती है।
- इसमें बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव सहित दक्षिण एशियाई देशों की टीमों ने भाग लिया।
- यह टूर्नामेंट भविष्य की राष्ट्रीय टीमों के लिए युवा फुटबॉल प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद करता है।

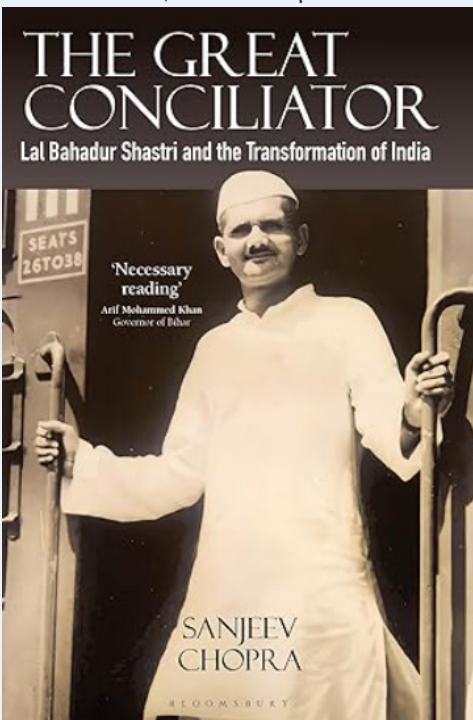
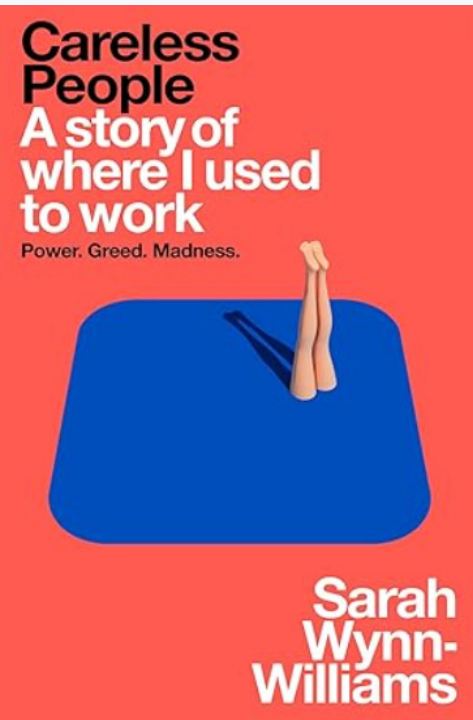
पुस्तक एवं लेखक

लौकिक पटना	लेखक	विवरण
रामानुजन: जर्नी ऑफ ए ग्रेट मैथेमैटिशियन  RAMANUJAN Journey of a Great Mathematician ARUN SINGHAL DEVENDRA KUMAR SHARMA	अरुण सिंघल और देवेन्द्र कुमार शर्मा	यह पुस्तक श्रीनिवास रामानुजन के उल्लेखनीय जीवन का वर्णन करती है तथा उनकी गणितीय प्रतिभा और महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालती है, बावजूद इसके कि उन्होंने सीमित औपचारिक शिक्षा सहित अनेक चुनौतियों का सामना किया।

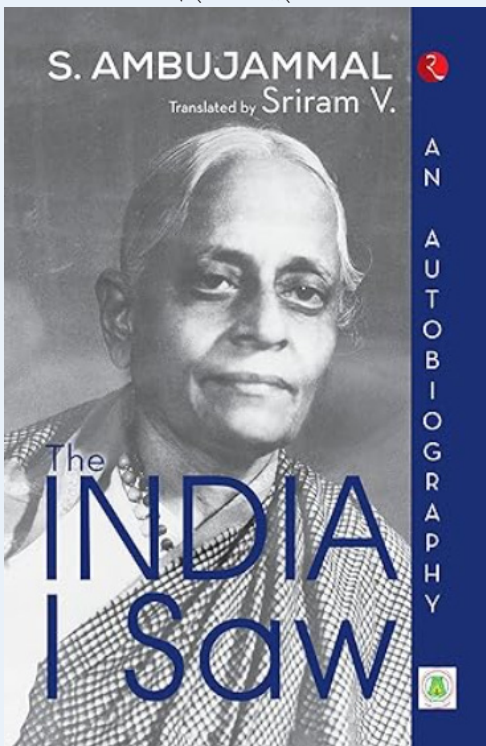
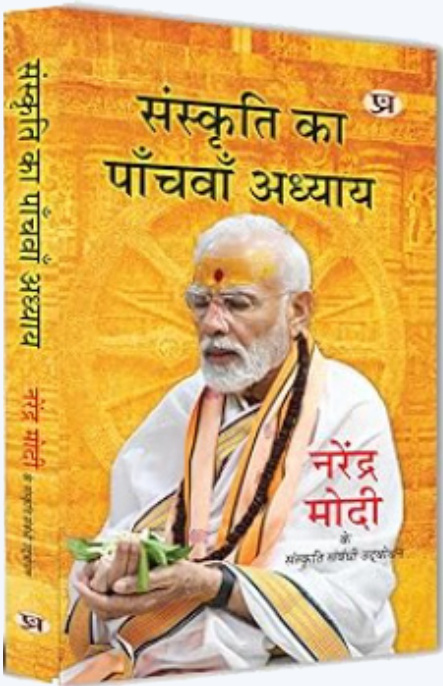
Contd...

लौकिक पटना	लेखक	विवरण
 द कश्मीर शॉल जनता की कहानी	रोज़ी थॉमस	रोज़ी थॉमस (ब्रिटिश पत्रकार जेनी किंग का छद्म नाम) द्वारा लिखित द कश्मीर शॉल एक दोहरे समय की कहानी वाला उपन्यास है, जो कई पीढ़ियों की कहानियों को आपस में जोड़ता है तथा वेल्स, कश्मीर और लद्दाख के मनोरम परिदृश्यों पर आधारित है।
 जनता की कहानी मेरी आत्मकथा बंडारू दत्तात्रेय	बंडारू दत्तात्रेय	यह पुस्तक हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा है, जिसमें उनकी व्यक्तिगत, राजनीतिक और सामाजिक यात्रा को दर्शाया गया है।

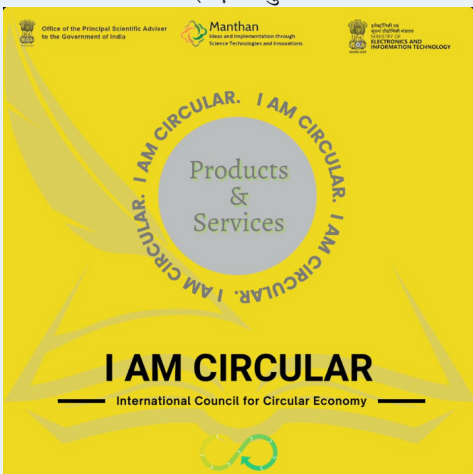
Contd...

लौकिक पटना	लेखक	विवरण
द ग्रेट कन्सिलिएटर 	संजीव चोपड़ा	यह पुस्तक लाल बहादुर शास्त्री की विरासत और उनके साधारण पृष्ठभूमि से प्रधानमंत्री बनने की यात्रा पर आधारित है।
केयरलेस पीपल 	सारा व्यान-विलियम्स	फेसबुक (मेटा) के भीतर की विषाक्त संस्कृति को उजागर करती है और नेतृत्व की नैतिक चूकों की चर्चा करती है।

Contd...

लौकिक पटना	लेखक	विवरण
द इंडिया आई सॉ 	एस. अम्बुजम्मल	यह आत्मकथा 'नान कांडा भारतम' का अनुवाद है, जो एक गांधीवादी महिला की स्वतंत्रता आंदोलन और समाज सुधार में भूमिका को दर्शाती है।
संस्कृति का पांचवा अध्याय 	NA	यह प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों का संकलन है जो भारत की सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित है।

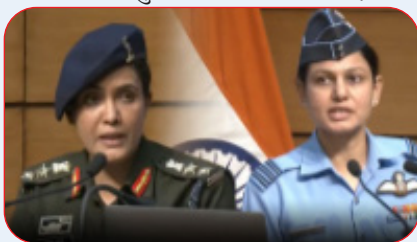
Contd...

लौकिक पटना	लेखक	विवरण
आई एम सर्कुलर 	NA	‘आई एम सर्कुलर’ कॉफी टेबल बुक है जो सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देती है।
तैयार प्रासंगिक और पुनरुत्थानशील 	जनरल अनिल चौहान	भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और युद्ध की नई रणनीतियों पर केंद्रित पुस्तक।

समाचार में व्यक्तित्व

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
जगद्गुरु बसवेश्वर 	प्रधानमंत्री ने बसव जयंती के अवसर पर जगद्गुरु बसवेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित की।	1131 ई. में कर्नाटक के बागेवाड़ी में एक ब्राह्मण परिवार में जन्मे, वे 12वीं सदी के दार्शनिक, कवि, राजनेता और लिंगायत परंपरा के संस्थापक थे।

Contd...

व्यक्ति	चर्चा में क्यों ?	विवरण
भूषण रामकृष्ण गवई 	राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को भारत का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया।	न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को भारत का 52वां मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया गया। वे वर्तमान सीजेआई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लेंगे।
लॉरेंस वोंग 	लॉरेंस वोंग	अर्थशास्त्री से राजनीतिज्ञ बने लॉरेंस वोंग ने सिंगापुर की दीर्घकालिक पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) को आम चुनावों में सफलतापूर्वक विजय दिलाई है।
एंथनी अल्बानीज़ 	एंथनी अल्बानीज़ को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के रूप में पुनः चुना गया है	एंथनी अल्बानीज़ ने 2025 के आम चुनावों में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के रूप में फिर से चुनाव जीता है। वह लेबर पार्टी से थे।
प्रवीण सूद 	केंद्र सरकार सीबीआई प्रमुख प्रवीण सूद का कार्यकाल बढ़ा सकती है।	प्रवीण सूद एक भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं जो केंद्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक के रूप में कार्य करते हैं और उन्होंने बेंगलुरु और मैसूर के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्य किया है।
सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह 	- कर्नल सोफिया कुरैशी, भारतीय सेना के सिग्नल कोर की एक सम्मानित अधिकारी। - विंग कमांडर व्योमिका सिंह, भारतीय वायु सेना में एक कुशल हेलीकॉप्टर पायलट।	भारतीय इतिहास में पहली बार, दो महिला अधिकारियों - भारतीय सेना से कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना से विंग कमांडर व्योमिका सिंह - ने एक महत्वपूर्ण सैन्य ऑपरेशन पर आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग आयोजित की।

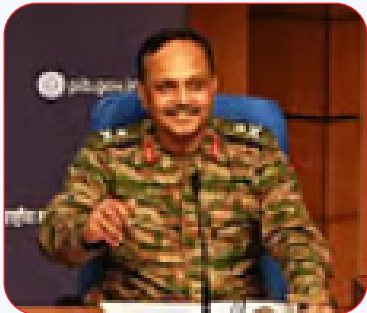
Contd...

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
शिवराज सिंह चौहान 	शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) संस्थानों द्वारा विकसित पहली दो जीनोम-संपादित चावल किस्मों को लॉन्च किया। चावल की दो किस्मों का विवरण ● डीआरआर धान 100 कमला: यह सांबा महसूरी से प्राप्त है, यह 15-20 दिन पहले पक जाती है और 25% अधिक उपज देती है। ● पूसा डीएसटी चावल 1: यह अपनी लवणता और क्षारीयता सहनशीलता के लिए जाना जाता है, यह लवणीय परिस्थितियों में 30% अधिक उपज दे सकता है।	वह वर्तमान में भारत के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के रूप में कार्यरत हैं।
वी. परमेश्वरम अय्यर 	भारत ने विश्व बैंक में अपने कार्यकारी निदेशक परमेश्वरन अय्यर को अस्थायी रूप से अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड में अपना नामित निदेशक होने की जिम्मेदारी सौंपी है।	विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक।
सलेम बिन ब्राइक 	सलेम सालेह बिन ब्रिक को यमन का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।	सलेम सालेह बिन ब्रिक ने उप वित्त मंत्री और विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्यकाल के बाद 2019 से यमन के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया है।
न्यायमूर्ति सूर्यकांत 	न्यायमूर्ति सूर्यकांत को नालसा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया	राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) की स्थापना 1995 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत कानूनी सहायता कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की निगरानी और मूल्यांकन करने के लिए की गई थी। यह अधिनियम के तहत कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश और सिद्धांत विकसित करने के लिए भी जिम्मेदार है। इसके अतिरिक्त, NALSA कानूनी सहायता प्रणालियों और पहलों के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों और गैर-लाभकारी संगठनों को धन और अनुदान आवंटित करता है।

Contd...

व्यक्ति	चर्चा में क्यों ?	विवरण
वी नारायणन 	वी नारायणन ने बयान दिया: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को उम्मीद है कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने वाला गगनयान मिशन केवल "2027 की पहली तिमाही" में ही होगा।	इसरो स्थापना: 15 अगस्त 1969 संस्थापक: डॉ. विक्रम साराभाई मुख्यालय: बेंगलुरु
फ्रेडरिक मेर्ज 	फ्रेडरिक मेर्ज जर्मनी के नए चांसलर चुने गए।	यमन उत्तर में सऊदी अरब और पूर्व में ओमान के साथ सीमा साझा करता है। लाल सागर, अदन की खाड़ी, अरब सागर और गार्डाफुई चैनल के साथ तटरेखाओं के साथ यह रणनीतिक महत्व रखता है, जो वैश्विक तेल व्यापार और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए एक प्रमुख समुद्री मार्ग बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य को नियंत्रित करता है।
विक्रम मिसरी 	भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव के संबंध में भारत सरकार की प्रेस ब्रीफिंग का नेतृत्व कर रहे हैं।	विक्रम मिसरी एक प्रतिष्ठित आईएफएस अधिकारी हैं। वे भारतीय विदेश सेवा [आईएफएस] के 1989 बैच के कैरियर राजनयिक हैं।
रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट 	रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट अगले पोप चुने गए	कैथोलिक चर्च के लिए एक ऐतिहासिक क्षण में, अमेरिकी कार्डिनल रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को 267वें पोप के रूप में चुना गया, जिन्होंने पोप लियो XIV का नाम लिया। वे संयुक्त राज्य अमेरिका से पहले पोप हैं, जो 21 अप्रैल को पोप फ्रांसिस की मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारी बने हैं। अपने मिशनरी कार्य और प्रगतिशील दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले पोप लियो XIV ने वैश्विक और आंतरिक चुनौतियों के बीच चर्च के लिए एक नया अध्याय लिखा है।
वाइस एडमिरल एएन प्रमोद 	ऑपरेशन सिंदूर पर हाल ही में आयोजित एक प्रेस वार्ता में वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि उकसाए जाने पर भारत निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है।	वाइस एडमिरल एएन प्रमोद, एवीएसएम, भारतीय नौसेना में एक सक्रिय फ्लैग ऑफिसर हैं, जो वर्तमान में नौसेना संचालन के महानिदेशक के पद पर हैं।

Contd...

व्यक्ति	चर्चा में क्यों ?	विवरण
एयर मार्शल ए.के. भारती 	भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सैन्य तनाव के बाद एयर मार्शल ए.के. भारती ने रामचरितमानस की एक चौपाई का हवाला देते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी।	एयर मार्शल ए.के. भारती भारतीय वायु सेना में परिचालन महानिदेशक हैं। भारती को जून 1987 में फ्लाईंग ब्रांच में कमीशन मिला था। उन्होंने अक्टूबर 2024 में डीजी एयर ऑपरेशंस का पद संभाला।
मेजर जनरल एसएस शारदा 	भारतीय सशस्त्र बलों ने राष्ट्र को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी, जिसके तहत 7 मई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व चार प्रमुख अधिकारियों ने किया, जिनमें मेजर जनरल संदीप एस. शारदा भी शामिल थे, जिन्होंने ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।	मेजर जनरल संदीप एस. शारदा वर्तमान में सामरिक संचार के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। सशस्त्र बलों से संबंधित जानकारी साझा करने के संबंध में उल्लंघन होने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे मध्यस्थों को नोटिस जारी करने के लिए उन्हें नामित “नोडल अधिकारी” नियुक्त किया गया है।
लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई 	लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में एक प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को भारतीय हवाई अड्डों और रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने से सफलतापूर्वक रोकने के लिए भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की प्रशंसा की।	लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई भारतीय सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक (DGMO) हैं, यह एक महत्वपूर्ण पद है जिसे उन्होंने अक्टूबर 2024 में संभाला था। उनके पास तीन दशकों से अधिक की विशिष्ट सैन्य सेवा है, जिसमें विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिचालन, कमान और स्टाफ असाइनमेंट शामिल हैं।
भुवन रिभु 	भुवन रिभु विश्व न्यायवादी एसोसिएशन से मेडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने वाले पहले भारतीय वकील बन गए हैं।	भुवन रिभु ने बच्चों के विरुद्ध हिंसा से लड़ने और उसे रोकने के लिए कानून का प्रयोग किया है, तथा भारत में बाल विवाह, तस्करी, यौन शोषण और जबरन श्रम को समाप्त करने के प्रयासों का नेतृत्व किया है।
सुजैन ले  (फोटो साभार: एनडीटीवी)	सुजैन ले को लिबरल पार्टी का नेता चुना गया है, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया की पहली महिला विपक्षी नेता बनकर इतिहास रच देंगी।	- ऑस्ट्रेलिया की पहली महिला विपक्षी नेता तथा पार्टी के 80 वर्ष के इतिहास में पार्टी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला। - वह पीटर डटन की जगह लेंगी, जो हाल के चुनावों में क्वींसलैंड सीट पर लेबर पार्टी के अली फ्रांस से हार गए थे।

Contd...

व्यक्ति	चर्चा में क्यों ?	विवरण
अजय कुमार  (फोटो साभार: इंडिया टुडे)	उन्हें यूपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।	डॉ. कुमार केरल कैडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। इससे पहले उन्होंने अगस्त 2019 से अक्टूबर 2022 तक रक्षा सचिव के रूप में कार्य किया था।
दीपिका कुमारी 	दीपिका कुमारी ने शंघाई में तीरंदाजी विश्व कप चरण 2 में कांस्य पदक जीता।	सेमीफाइनल प्रतिद्वंद्वी: लिम सिहियोन (विश्व नंबर 1, कोरिया) कांस्य प्लेऑफ प्रतिद्वंद्वी: कांग चाए यंग (कोरिया)
वांग यी 	चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल के साथ चर्चा की। बातचीत के दौरान, वांग यी ने उम्मीद जताई कि भारत और पाकिस्तान बातचीत के जरिए अपने मतभेदों को सुलझा लेंगे और अंततः दोनों देशों के बीच एक स्थायी युद्धविराम हासिल करने की दिशा में काम करेंगे।	वांग यी चीनी विदेश मंत्री हैं।
कशिश चौधरी 	कशिश चौधरी बलूचिस्तान की पहली हिंदू महिला सहायक आयुक्त बनीं।	● कशिश चौधरी बलूचिस्तान की पहली महिला सहायक आयुक्त हैं। ● वह 25 साल की है और चगाई जिले के एक दूरदराज के कस्बे नोशकी की रहने वाली है। कशिश ने बलूचिस्तान लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास की है।
अनीता आनंद 	अनीता आनंद की कनाडा की विदेश मंत्री के रूप में नियुक्ति।	आनंद 2019 में कनाडा के संघीय मंत्री बनने वाले पहले हिंदू बने।

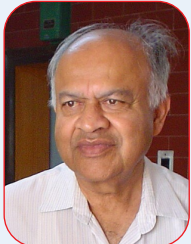
Contd...

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
सरोज घोष 	भारत के विज्ञान संग्रहालय आंदोलन के जनक सरोज घोष का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।	राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के संस्थापक महानिदेशक सरोज घोष को भारत के विज्ञान संग्रहालय आंदोलन के जनक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव विज्ञान केंद्रों का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क बनाया। घोष के काम ने भारत भर में लाखों लोगों के लिए विज्ञान को सुलभ और प्रेरणादायक बनाया।
जनरल अनिल चौहान 	चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने श्रीगंगानगर में सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन और गुजरात में नलिया वायु सेना स्टेशन का दौरा किया।	- सीडीएस का पद 2019 में लेफ्टिनेंट जनरल डीबी शेकटकर की अध्यक्षता वाली रक्षा विशेषज्ञों की एक समिति की सिफारिशों पर बनाया गया था। - जनरल बिपिन रावत देश के पहले सीडीएस थे। - लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त), पूर्वी सेना के पूर्व कमांडर और सैन्य संचालन के महानिदेशक, भारत के दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस बने, यह पहली बार है जब एक सेवानिवृत्त तीन सितारा अधिकारी को चार सितारा रैंक पर बहाल किया गया।
हरवंश चावला 	हरवंश चावला को ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का अध्यक्ष नियुक्त किया गया	ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देने वाला मुख्य संगठन है। एक गैर-लाभकारी संस्था के रूप में, ब्रिक्स सीसीआई ब्रिक्स+ देशों-ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया में आर्थिक सहयोग के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह विभिन्न पहलों, मंचों और नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यवसायों के विकास, नवाचार और विस्तार के लिए एक सहायक वातावरण बनाता है।
हावर्ड लुटनिक 	केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते पर चल रही चर्चा के तहत अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड ल्यूटनिक के साथ बैठक की।	हॉवर्ड डब्ल्यू. ल्यूटनिक 41वें अमेरिकी वाणिज्य सचिव हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प के 2024 के चुनाव अभियान के दौरान ट्रम्प-वैंस ट्रांजिशन टीम के सह-अध्यक्ष के रूप में भी काम किया।

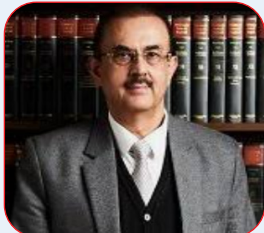
Contd...

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई 	भारत के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त	न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने औपचारिक रूप से भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया, जहाँ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना से पदभार ग्रहण किया।
पीवी सिंधु 	पीवी सिंधु ने हाल ही में पुणे स्थित फ्लेम यूनिवर्सिटी में बोलते हुए सफलता की राह पर आने वाली चुनौतियों का खुलासा किया।	पीवी सिंधु की प्रमुख उपलब्धियाँ: ● 2012 में एशियाई युवा अंडर-19 चैंपियनशिप। ● वह 2016 रियो ओलंपिक में बैडमिंटन में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। ● उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल किया। ● 2019 में, सिंधु ने BWF विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय के रूप में इतिहास रच दिया। ● सिंधु ने इंडिया ओपन, कोरिया ओपन सहित कई बड़े टूर्नामेंटों में जीत हासिल की है और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता है।
डॉ. एमआर श्रीनिवासन 	परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक डॉ. एमआर श्रीनिवासन का निधन हो गया है।	● वह एक प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष थे। ● उन्होंने भारत के असैन्य परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ● परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में उनका कार्यकाल सितंबर 1955 से शुरू होकर पचास वर्षों से अधिक तक चला। ● उन्होंने भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में होमी भाभा के साथ मिलकर काम किया, जिसने अगस्त 1956 में क्रिटिकलता हासिल कर ली।

Contd...

व्यक्ति	चर्चा में क्यों ?	विवरण
श्री राजीव गांधी 	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।	
केम्पैया सोमशेखर 	न्यायमूर्ति केम्पैया सोमशेखर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।	- न्यायमूर्ति सोमशेखर ने अपना कानूनी करियर 1990 में शुरू किया तथा मैसूर और चामराजनगर जिलों में सिविल और फौजदारी दोनों तरह के कानूनों में प्रैक्टिस की। 1998 में उन्हें सीधे जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। - बाद में, उन्हें जुलाई 2016 में कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया और जुलाई 2018 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश बनाया गया।
बोबी 	दिल्ली की पहली ट्रांसजेंडर पार्षद बॉबी ने आम आदमी पार्टी (आप) से अपना नाता तोड़ लिया और हाल ही में गठित 15 बागी आप पार्षदों के मोर्चे - इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) में शामिल हो गईं।	आम आदमी पार्टी (AAP) की स्थापना 2012 में अरविंद केजरीवाल ने की थी।
जयंत नालीकर 	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रख्यात भारतीय खगोल भौतिक विज्ञानी और विज्ञान संचारक डॉ. जयंत नालीकर के निधन पर शोक व्यक्त किया है।	डॉ. जयंत नालीकर भारत के सबसे प्रतिष्ठित खगोल भौतिकविदों में से एक हैं, जिन्होंने ब्रह्माण्ड विज्ञान में गहन सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि को विज्ञान संचार के लिए आजीवन प्रतिबद्धता के साथ जोड़ा।
कामिल इदरीस 	पूर्व संयुक्त राष्ट्र अधिकारी और पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार कामिल इदरीस को सूडान की सैन्य नेतृत्व वाली सरकार का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।	इससे पहले वह विश्व बौद्धिक संपदा संगठन में महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे।

Contd...

व्यक्ति	चर्चा में क्यों ?	विवरण
निकुसोर डैन 	निकुसोर डैन को रोमानिया का राष्ट्रपति चुना गया है।	निकुसोर डैनियल डैन एक रोमानियाई नागरिक नेता, गणितज्ञ और राजनीतिज्ञ हैं। रोमानिया ● राजधानी: बुखारेस्ट ● मुद्रा: रोमानियाई ल्यू ● दक्षिण-पूर्वी यूरोप में स्थित है। ● इसकी सीमा यूक्रेन (उत्तर), मोल्दोवा (उत्तर-पूर्व), बुल्गारिया (दक्षिण), सर्बिया (दक्षिण-पश्चिम) और हंगरी (पश्चिम) से लगती है। ● दक्षिण-पूर्व में काला सागर से घिरा हुआ।
तपन कुमार डेका 	कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, खुफिया ब्यूरो (आईबी) प्रमुख तपन कुमार डेका को एक साल का विस्तार दिया गया है, जिससे उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ गया है।	● तपन कुमार डेका, जन्म 25 फरवरी 1963, एक भारतीय नौकरशाह और आईपीएस अधिकारी हैं। ● वह 1988 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के अधिकारी हैं। ● 2021 में उन्हें पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया।
विकाश सिंह 	वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत हासिल की।	पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में, उन्होंने इससे पहले 2018, 2021 और 2022-23 के दौरान शीर्ष बार एसोसिएशन के अध्यक्ष का पद संभाला है।
कनक बुधवर 	कनक बुधवर ने हाल ही में जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।	कनक बुधवर एक भारतीय निशानेबाज हैं। उन्होंने पिछले साल लीमा में आयोजित जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता था।
श्री प्रफुल्ल के. पटेल 	श्री प्रफुल्ल के. पटेल ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।	वह केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के प्रशासक हैं

Contd...

व्यक्तित्व	चर्चा में क्यों ?	विवरण
संजीव सचदेवा 	न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया।	- वह एक प्रतिष्ठित वकील और विद्वान थे, 1988 में वे एडवोकेट बने और बाद में उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। - दशकों की कानूनी सेवा और राष्ट्रीय ख्याति के बाद 2024 में उन्हें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया।
सचिन चतुर्वेदी 	अर्थशास्त्री सचिन चतुर्वेदी ने नालंदा विश्वविद्यालय (एनयू) के कुलपति (वीसी) का कार्यभार संभाल लिया है।	- सचिन चतुर्वेदी एक अर्थशास्त्री और विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) के महानिदेशक हैं, जिनकी विशेषज्ञता विकास अर्थशास्त्र और वैश्विक सहयोग में है। - उन्होंने 22 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं और आरबीआई बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।
शाम्भवी श्रवण क्षीरसागर 	भारत की शाम्भवी श्रवण क्षीरसागर ने जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।	आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में शाम्भवी श्रवण क्षीरसागर ने अपनी साथी ओजस्वी ठाकुर और चीन की ली शिजिया से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी।
बछेंद्री पाल 	बछेंद्री पाल ने बेस कैम्प तक ट्रेकिंग करके अपनी ऐतिहासिक एवरेस्ट चढ़ाई के 40 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।	1984 में उत्तरकाशी की 28 वर्षीय लेक्चरर बछेंद्री पाल ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया। वह अपनी टीम के साथियों ल्हातू दोरजी, अंग दोरजी और सोनम पालजोर के साथ साउथ कोल मार्ग से शिखर पर पहुंचीं।
रजिया ढिल्लों 	रायजा ढिल्लों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में रजत पदक जीता।	हरियाणा के पंचकूला की 21 वर्षीय निशानेबाज रायजा ढिल्लों पेरिस ओलंपिक में सबसे कम उम्र की भारतीय निशानेबाज थीं, जहां उन्होंने महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में भाग लिया था।

रिपोर्ट और सूचकांक

मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआई) 2025



चर्चा में क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने मानव विकास रिपोर्ट 2025 जारी की है, जिसका शीर्षक है 'विकल्प का मामला: एआई के युग में लोग और संभावनाएं'।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

भारत की मानव विकास सूचकांक रैंकिंग

- 2025 मानव विकास रिपोर्ट में भारत 193 देशों की सूची में तीन पायदान ऊपर चढ़कर 130वें स्थान पर पहुंच गया है।
- भारत 0.685 के एचडीआई मूल्य के साथ मध्यम मानव विकास श्रेणी में बना हुआ है।

मानव विकास में वैश्विक रुझान

- **धीमी प्रगति:** वैश्विक स्तर पर, मानव विकास की प्रगति 1990 के बाद से सबसे धीमी गति से आगे बढ़ रही है।
- **असमानता अंतर:** निम्न मानव विकास सूचकांक (एच.डी.आई.) और बहुत उच्च मानव विकास सूचकांक (एच.डी.आई.) वाले देशों के बीच असमानता लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के बारे में

- यूएनडीपी एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जो गरीबी उन्मूलन तथा सतत आर्थिक विकास और मानव विकास को बढ़ावा देने में देशों की सहायता करने के लिए समर्पित है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1966 में स्थापित यूएनडीपी वैश्विक विकास पहलों में अग्रणी रहा है।
- **मुख्यालय:** न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है
- **वित्तपोषण:** यूएनडीपी पूरी तरह से अपने सदस्य देशों से प्राप्त स्वैच्छिक वित्तीय योगदान के माध्यम से संचालित होता है।

समाचार में स्थान

सोमालिया



चर्चा में क्यों ?

सोमालिया के मोगादिशु में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई।

सोमालिया के बारे में

- **राजधानी:** मोगादिशु
- **मुद्रा:** सोमाली शिलिंग (SOS)
- **भाषाएँ:** सोमाली (आधिकारिक), अरबी
- **सीमाएँ:** इथियोपिया (पश्चिम), केन्या (दक्षिण-पश्चिम), जिबूती (उत्तर-पश्चिम)
- **समुद्र तट:** हिंद महासागर और अदन की खाड़ी के साथ
- **भूगोल:** सोमालिया अफ्रीका के हॉर्न में स्थित है। इसमें शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्र हैं, उत्तर में गॉलिस पर्वत और दक्षिण में जुबा और शबेले नदियों के साथ उपजाऊ नदी घाटियाँ हैं।
- **सोमालिया की जलवायु:** गर्म रेगिस्तानी है, यहां दो वर्षा ऋतुएं होती हैं, तथा सूखे की आशंका रहती है।
- **राजनीति:** यह एक संघीय संसदीय गणतंत्र है। राष्ट्रपति राज्य का मुखिया है, और प्रधानमंत्री सरकार का मुखिया है।



सोमालिया का मानचित्र

- **राष्ट्रीय प्रतीक:**
 - ◆ **ध्वज:** हल्का नीला, सफेद पांच-कोणीय तारे के साथ, जो एकता का प्रतीक है।
 - ◆ **राष्ट्रीय पक्षी:** सोमाली शुतुरमुर्ग, जो लचीलेपन का प्रतीक है।

- ◆ **अर्थव्यवस्था:** कृषि पर आधारित है, जिसमें पशुधन एक प्रमुख उद्योग है। सोमालिया जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा मुद्दों के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- ◆ **संस्कृति:** सोमाली संस्कृति इस्लाम से गहराई से प्रभावित है और कविता और कहानी कहने सहित मौखिक परंपराओं में समृद्ध है।

मिजोरम ने पूर्ण कार्यात्मक साक्षरता हासिल की



चर्चा में क्यों ?

मंगलवार, 20 मई 2025 को मिजोरम के मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि मिजोरम ने पूर्ण साक्षरता हासिल कर ली है।

आयोजन के बारे में

- यह ऐतिहासिक घोषणापत्र मिजोरम की शैक्षिक प्रगति में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित होगा, जो इसे भारत में पूर्ण साक्षरता हासिल करने वाला पहला राज्य बनाएगा।
- यह घोषणा राज्य की राजधानी आइजोल स्थित मिजोरम विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित एक विशेष समारोह में की गई।

मिजोरम

- मिजोरम 20 फरवरी 1987 को एक राज्य बना।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, इसकी साक्षरता दर 91.33% थी, जो भारत में तीसरे स्थान पर थी।
- पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लिए, राज्य ने उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम) को क्रियान्वित किया, जिसका उद्देश्य शेष गैर-साक्षर आबादी को शिक्षित करना था।

उल्लास योजना

- 2022 में शुरू की गई और 2027 तक चलने वाली उल्लास योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप एक केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है।
- यह 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के उन वयस्कों पर केंद्रित है, जिन्होंने औपचारिक स्कूली शिक्षा नहीं ली है और इसमें आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल और सतत शिक्षा जैसे घटक शामिल हैं।
- उल्लास का दृष्टिकोण स्वैच्छिकता और कर्तव्य बोध पर आधारित “भारत जन जन साक्षर” (प्रत्येक नागरिक को साक्षर) बनाना है।

समाचार में संगठन

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI)



चर्चा में क्यों ?

एफएसएसआई ने देश भर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को फलों, विशेषकर आमों को पकाने में प्रतिबंधित रसायनों, विशेषकर कैल्शियम कार्बाइड के प्रयोग के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

एफएसएसआई के बारे में

- एफएसएसआई स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है, जिसकी स्थापना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के माध्यम से की गई है।
- इसका उद्देश्य सुरक्षित और पौष्टिक भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करना तथा स्वस्थ और रोगमुक्त जीवन को बढ़ावा देना है।
- मिशन का ध्यान वैश्विक खाद्य मानक निर्धारित करने, सुरक्षित प्रथाओं को प्रोत्साहित करने तथा नागरिकों को सही एवं सुरक्षित भोजन का उपभोग करने में सक्षम बनाने पर केंद्रित है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)



चर्चा में क्यों ?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से विश्व का पहला महामारी समझौता औपचारिक रूप से अपनाया।

पहला महामारी समझौता

- 78वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में अपनाए गए कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौते का उद्देश्य भविष्य की महामारियों के प्रबंधन में वैश्विक तैयारी, प्रतिक्रिया और निष्पक्षता को बढ़ाना है।
- पूर्ण कार्यान्वयन के लिए मई 2026 तक प्रमुख तंत्रों को अंतिम रूप देना तथा कम से कम 60 देशों द्वारा अनुसमर्थन आवश्यक है।
- यह 2003 के तंबाकू नियंत्रण सम्मेलन के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत दूसरा अंतर्राष्ट्रीय कानूनी समझौता है।
- यह समझौता वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन और महामारी प्रतिरोधक क्षमता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- इसका उद्देश्य समानता, एकजुटता, पारदर्शिता, वैज्ञानिक साक्ष्य और देशों की संप्रभुता के सम्मान के आधार पर महामारी की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत करना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बारे में

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की स्थापना 1948 में हुई।
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विटजरलैंड
- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और कमजोर आबादी की मदद करने के लिए देशों, भागीदारों और लोगों को एकजुट करती है।
- इसका लक्ष्य सभी लोगों को, हर जगह, उच्चतम संभव स्वास्थ्य मानक प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

डब्ल्यूएचओ के प्रमुख उद्देश्य:

- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के लिए वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करना।
- रोग की रोकथाम, नियंत्रण, उन्मूलन और समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करें।
- स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर नेतृत्व प्रदान करना, सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक निर्धारित करना तथा देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, सरकारों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करें।



- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यपाल की नियुक्ति का उल्लेख है ?
 (a) अनुच्छेद 153
 (b) अनुच्छेद 155
 (c) अनुच्छेद 157
 (d) अनुच्छेद 167
- निम्नलिखित में से कौन विज्ञान बंदरगाह की प्रमुख विशेषता है ?
 (a) यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्गों से 50 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है।
 (b) यह 18 से 20 मीटर की गहराई वाले बड़े जहाजों के लिए पहुँच की अनुमति देता है।
 (c) यह भारत के सबसे उत्तरी क्षेत्र में स्थित है।
 (d) यह केवल यात्री यातायात को संभालता है।
- ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है, इस विचार का समर्थन करने वाले साक्ष्य की खोज किसने की ?
 (a) अल्बर्ट आइंस्टीन
 (b) आइज़ैक न्यूटन
 (c) एडविन हबल
 (d) फ्रेड हॉयल
- किस प्रकार की सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली उन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है जहाँ बिजली ग्रिड तक विश्वसनीय पहुँच नहीं है ?
 (a) ग्रिड-टाईड (ऑन-ग्रिड) सिस्टम
 (b) बैटरी बैकअप के साथ ग्रिड-टाईड
 (c) ऑफ-ग्रिड सिस्टम
 (d) बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र
- ऑपरेशन ओलिविया का प्राथमिक उद्देश्य क्या है ?
 (a) वैश्विक स्तर पर ओलिव रिडले कछुओं की आबादी बढ़ाना।
 (b) ओलिव रिडले कछुओं के आवासों की रक्षा करना और खतरों को कम करके सुरक्षित घोंसला बनाना सुनिश्चित करना।
 (c) ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देना।
 (d) ओडिशा में मछली पकड़ने के नए तरीके विकसित करना।
- शिरुई लिली महोत्सव कहाँ मनाया जाता है ?
 (a) इफाल
 (b) उखरूल शहर और शिरुई गांव
 (c) कांगखुई गांव
 (d) लोंगपी गांव
- पद्मजा नायडू हिमालयन प्राणी उद्यान (PNHZA) कहाँ स्थित है ?
 (a) हिमाचल प्रदेश
 (b) पश्चिम बंगाल
 (c) उत्तराखंड
 (d) उत्तराखंड
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की स्थापना कब हुई ?
 (a) 1919
 (b) 1939
 (c) 1944
 (d) 1951
- द्वितीय विश्व युद्ध में महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध की शुरुआत किस घटना से हुई ?
 (a) 1940 में जर्मनी का फ्रांस पर आक्रमण
 (b) 1941 में जर्मनी का सोवियत संघ पर आक्रमण (ऑपरेशन बारब्रोसा)
 (c) 1941 में पर्ल हार्बर पर बमबारी
 (d) 1939 में मोलोटोव-रिबेंट्रॉप संधि पर हस्ताक्षर
- बुद्ध ने अपना पहला उपदेश, जिसे धर्म-चक्र-प्रवर्तन के नाम से जाना जाता है, कहाँ दिया था ?
 (a) लुंबिनी
 (b) बोधगया
 (c) सारनाथ
 (d) कुशीनगर

11. निम्नलिखित में से कौन-सी माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए) की अद्वितीय विशेषता है ?
 (a) यह माता-पिता दोनों से विरासत में मिलता है।
 (b) यह कोशिका के केंद्रक में स्थित होता है।
 (c) यह केवल माँ से विरासत में मिलता है।
 (d) यह सभी कोशिकांगों में मौजूद होता है।
12. भारत बायोटेक द्वारा विकसित बायोलम्पिक्वैक्सिन किस रोग से लड़ने के लिए है ?
 (a) कोविड-19
 (b) लम्पी स्किन डिजीज
 (c) लासा फीवर
 (d) मलेरिया
13. WAVES 2025 - विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन आधिकारिक तौर पर कहाँ शुरू हुआ ?
 (a) दिल्ली
 (b) बेंगलुरु
 (c) मुंबई
 (d) चेन्नई
14. पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कब और कहाँ आयोजित हुआ था ?
 (a) 2005, ब्राज़ील
 (b) 2009, रूस
 (c) 2010, भारत
 (d) 2012, चीन
15. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
 (a) बगदाद, इराक
 (b) रियाद, सऊदी अरब
 (c) वियना, ऑस्ट्रिया
 (d) कराकास, वेनेजुएला
16. भारत में, किसने भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) के सहयोग से विश्व कछुआ दिवस मनाया ?
 (a) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
 (b) राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी)
 (c) केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
 (d) मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
17. तीरंदाजी विश्व कप 2025 की मेजबानी कौन सा देश करेगा ?
 (a) भारत
 (b) फ्रांस
 (c) चीन
 (d) दक्षिण कोरिया
18. सुपरबेट शतरंज क्लासिक 2025 किसने जीता ?
 (a) मैग्नस कार्लसन
 (b) आर. प्रागनानंद
 (c) विश्वनाथन आनंद
 (d) हिकारू नाकामुरा
19. भारत ने फाइनल में किस देश को हराकर SAFF अंडर-19 चैंपियनशिप 2025 जीती ?
 (a) बांग्लादेश
 (b) नेपाल
 (c) श्रीलंका
 (d) मालदीव
20. भारत की हरित हाइड्रोजन प्रमाणन योजना (जीएचसीआई) से कौन सा सरकारी मंत्रालय संबंधित है ?
 (a) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
 (b) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)
 (c) वित्त मंत्रालय
 (d) विदेश मंत्रालय



प्र. सं.	उत्तर	प्र. सं.	उत्तर	प्र. सं.	उत्तर	प्र. सं.	उत्तर	प्र. सं.	उत्तर
1.	(b)	5.	(b)	9.	(b)	13.	(c)	17.	(c)
2.	(b)	6.	(b)	10.	(c)	14.	(b)	18.	(b)
3.	(c)	7.	(b)	11.	(c)	15.	(c)	19.	(d)
4.	(c)	8.	(c)	12.	(b)	16.	(b)	20.	(b)

उत्तरमाला